RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

# माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com


**सुविचार**

जब कोई व्यक्ति अपने लक्ष्य के लिए सब कुद दाव पर लगाने के लिए तैयार हो, तो उसका जीतना सुनिश्चित है।

नेपोलियन हिल


वर्ष-07, अंक - 20 (साप्ताहिक) खवासा, गुरूवार 06 फरवरी 2025 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


## दिल्ली के दिन में कौन... आप या भाजपा

माही की गूंज। संजय भटेवरा

कुछ समय पहले तक राजनीति में एक शब्द प्रचलित था एंटी इनकम्बेसी यानी सत्ता का विरोध, इससे हर राजनीतिक पार्टिया झुझती रही। अमुमन पांच साल सत्ता में रहने के बाद स्वाभाविक रूप से सत्ता का विरोध होता आ रहा था। लेकिन मध्य प्रदेश में तात्कालिक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा लागू की गई 'लाडली बहना' योजना ने राजनीति के इस मिथल को बदलकर प्रो इनकम्बेसी कर दिया। यानी सत्ता में रहने का फायदा मध्यप्रदेश सहित झारखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावो में भी लागू इसी प्रकार की योजनाओं को मतदाताओं विशेष कर महिला मतदाताओं ने खुले मन से स्वीकार किया। और सत्ताधारी दल को पहले से ज्यादा मजबूती प्रदान की। हालांकि इसी तरह की योजनाओं की घोषणा विपक्षी पार्टियों द्वारा भी की गई थी। लेकिन मतदाताओं ने आश्वासन की अपेक्षा हकीकत को चुना और सत्ताधारी दल की सत्ता में वापसी करवाई।

कुछ इसी तरह की घोषणाएं दिल्ली विधानसभा चुनावो में तीनो पार्टियों द्वारा की है। राजनीतिक पंडित इन्हें 'फ्री बीज' या मुफ्त की रेवड़िया बतला रहे हैं और आगाह

कर रहे हैं कि, इस तरह भी रेवड़ी योजना अन्ततः किसी भी बनने वाली सरकार को भारी पड़ने वाली है। लेकिन महिला सशक्तिकरण के नाम पर शुरू की गई इस प्रकार की योजना का कोई भी राजनीतिक दल विरोध नहीं कर पा रहा है। यही नहीं राजनीतिक दल इसे और बढा चढ़ाकर लाभ देने का आश्वासन भी दे रहे हैं। राजनीतिक सुचिता के नाम पर और राजनीतिक में कुछ बड़ा और नया करने के वादे के साथ राजनीतिक पार्टी बनाने वाले अरविंद केजरीवाल पिछले तीन बार से सत्ता में है। परन्तु पिछले दिनों उसी भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में गए थे जिसको खत्म करने के वादे के साथ वे सत्ता में आए थे। लेकिन फिर भी प्रचार प्रसार में वे पूरे जोश के साथ शामिल हुए तथा दिल्ली सरकार के द्वारा दिए गए कार्यों को आम जनता के सामने रखें तथा मत याचना की।

### एग्जिट पोल में भाजपा आगे

मतदान समाप्ति के पश्चात विभिन्न सर्वे में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। आम आदमी पार्टी की सीटों में कमी दिखाई गई है। वहीं कांग्रेस, दिल्ली में एक बार फिर खाली हाथ रह सकती हैं। बरहाल असल नतीजे तो 8 तारीख को ही पता चल पाएंगे जब ईवीएम अपना रिजल्ट वाला सेक्शन बतलाइगी। किंतु एक बात अवश्य है कि, राजनीति में अप्रत्याशित रूप से आकर सनसनी फैलाने वाले अरविंद केजरीवाल के समक्ष इस बार कठिन चुनौती है और तमाम योजनाओं के बाद क्या वे अपनी सरकार बचा पाएंगे...?

दिल्ली के दिल में कौन है भाजपा या आप...?

## अमेरिका पहुंचे 104 अवैध भारतीय प्रवासी लौटे भारत

**अमृतसर, एजेंसी।**

अमेरिका का सैन्य विमान अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर भारत पहुंचा। अमेरिकी सी-147 विमान से 104 भारतीयों का पहला जत्था अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा, जहां पुलिस और प्रशासन तैनात थे।

अमेरिकी दूतावास के अधिकारी ने बताया कि, इनमें 13 बच्चे, 79 पुरुष और 25 महिलाएं शामिल हैं। इनमें से 33 लोग गुजरात के हैं, जिन्हें सीधे गुजरात भेजा जाएगा।

जानकारी के अनुसार, इन भारतीयों को मैक्सिको-अमेरिकी सीमा से पकड़ा गया था। ये भारत से वैध तरीके से रवाना हुए थे, लेकिन डंकी रूट के जरिए अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहे थे। भारत पहुंचने पर इनकी गिरफ्तारी का कोई आधार नहीं है, क्योंकि इन्होंने किसी भारतीय कानून का उल्लंघन नहीं किया है।

अमेरिकी वायुसेना का सी-17 ग्लोबमास्टर विमान टेक्सास के सैन्य अड्डे से रवाना हुआ था। अनुमान है कि अमेरिका में लगभग 18 हजार अवैध भारतीय प्रवासी हैं, जिन्हें डिपोर्ट किया जाना है। इससे पहले, ट्रंप प्रशासन ने ग्वाटेमाला, पेरू और होंडुरास के अवैध प्रवासियों को भी उनके देशों में भेजा था।

पेंटागन ने टेक्सास के एल पासो और कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में हिरासत में रखे गए 5 हजार से अधिक अवैध अप्रवासियों को उनके देशों में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में करीब 7.25 लाख अवैध भारतीय प्रवासी हैं, जो अवैध प्रवासियों की तीसरी सबसे बड़ी संख्या है। पहले स्थान पर मैक्सिको और दूसरे पर अल सल्वाडोर है।

भारत सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे भारतीय नागरिकों को वापस लेने के लिए तैयार है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद, उन्होंने अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा डिपोर्टेशन कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

## स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग, शूटर समेत 11 की मौत

**ओरेब्रू ।**

स्कूल में हुई गोलीबारी में शूटर समेत 11 लोगों की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि इस हमले को एक अकेले हमलावर ने अंजाम दिया, लेकिन इसका उद्देश्य अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। यह घटना स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम से लगभग 200 किलोमीटर पश्चिम में स्थित कैंपस रिसबर्गस्का में हुई, जहां वयस्कों को शिक्षा दी जाती है। यह संस्थान उन लोगों के लिए है जो समय पर अपनी स्कूली शिक्षा पूरी नहीं कर सके। इस स्कूल के पास एक अन्य स्कूल भी है, जहां छोटे बच्चे पढ़ते हैं।

पुलिस ने साफ किया है कि, अभी तक इस हमले का आतंकवाद से कोई संबंध सामने नहीं आया है। संदिग्ध हमलावर का उद्देश्य क्या था, इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। इस घटना से पूरे यूरोप में सदमा फैल गया है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि, ऐसी हिंसा और आतंक का समाज में कोई स्थान नहीं है, विशेष रूप से स्कूलों में।

पुलिस के अनुसार, हमलावर पहले से किसी अपराध में वॉन्टेड नहीं था। हमले के तुरंत बाद पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा, लेकिन वहां से क्या मिला, इसकी जानकारी साझा नहीं की गई। स्वीडन के राजा कार्ल सोलहवें गुस्ताफ ने इस दुखद घटना पर शोक जताते हुए पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह खबर उनके और उनके परिवार के लिए बेहद दुखद और स्तब्ध करने वाली है।

स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन ने इस घटना को देश की अब तक की सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी करार दिया।

## चीन पर बयानः मुश्किल में आए राहुल गांधी

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि, चीन अब भी 4 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक भूमि पर कब्जा किए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे खारिज कर दिया, जबकि सेना ने असहमति जताई। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि, सदन में मनचाही बात नहीं कही जा सकती।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की मांग की और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखा। यदि कोई सांसद महसूस करे कि, किसी सदस्य ने संसद के नियमों का उल्लंघन किया है, तो वह विशेषाधिकार प्रस्ताव ला सकता है। इसका उद्देश्य संसद और सांसदों के अधिकारों की रक्षा करना है। संसद में सदस्यों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होती है, और सदन में कही गई बातों पर न्यायालय में कोई मामला नहीं बनता।

## भारत को हाइड्रोजन ईंधन का निर्यातक बनाने का सपना देख रहे गडकरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एक बहुत बड़ा सपना देख रहे हैं। उनका कहना है कि भारत को हाइड्रोजन ईंधन का निर्यातक बनाने के लिए प्रयासरत हैं और एक दिन यह सपना जरूर पूरा होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ विमानन ईंधन सबसे महत्वपूर्ण चीज है। वर्तमान में हम ऊर्जा के आयातक हैं और हमारा सपना ऊर्जा का निर्यातक बनना है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भारत में फ्लेक्स इंजन वाहन आ रहे हैं और देश में इथेनॉल पंप खोले जा रहे हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। यह ऐसे क्षेत्र हैं जहां हम कृषि को सहायता दे सकते हैं। पहले हम किसानों को अन्नदाता कहते थे, लेकिन हमारी सरकार ने किसानों को ऊर्जादाता बना दिया है।

कॉर्बन बाजार संगठन (सीएमएआई) के जलवायु सप्ताह में उन्होंने बायोमास, जैव ईंधन, मेथनॉल और अपशिष्ट उपयोग पर सरकारी प्रयासों के अपने दृष्टिकोण को साझा किया। राजधानी दिल्ली के एक प्रतिष्ठित होटल में आयोजित सीएमएआई के पांच दिवसीय जलवायु सप्ताह में एक प्रमुख मीडिया समूह सहयोगी की

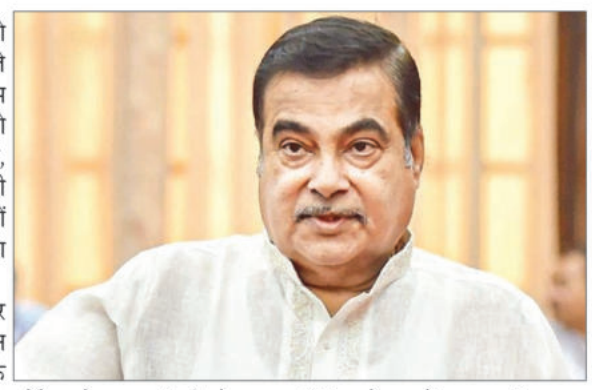

भूमिका निभा रहा है। मंगलवार को कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इंडिया एसएएफ संगठन के नेतृत्व के साथ मिलकर जलवायु सप्ताह में आधिकारिक रूप से इंडिया एसएएफ (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) संगठन का शुभारंभ भी किया। सीएमएआई द्वारा शुरू किए गए इंडिया एसएएफ संगठन का उद्देश्य पूरे देश में संधारणीय विमानन ईंधन को अपनाने में तेजी लाना और भारत के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देना है।इस अवसर पर इंडिया एसएएफ संगठन के अध्यक्ष व जेडआर2 के संस्थापक जिमी ओल्सन ने कहा कि हमारे दृष्टिकोण के केंद्र में एसएएफ को संधारणीय और किफायती दोनों बनाने की आकांक्षा है। नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देकर, हम भारत के लिए वैश्विक एसएएफ क्रांति का नेतृत्व करने की नींव रख रहे हैं।

## ओवैसीः वक्फ की एक इंच भी जमीन नहीं छोड़ेंगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख और हैदराबाद के जनप्रतिनिधि असदुद्दीन ओवैसी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उन्होंने 4 फरवरी को लोकसभा में संयुक्त संसदीय समिति की बैठक के दौरान वक्फ विधेयक का कड़ा विरोध किया। ओवैसी ने शासन को मौजूदा स्वरूप में विधेयक पेश करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि इससे देश में सामाजिक अस्थिरता उत्पन्न होगी।

एआईएमआईएम प्रमुख ने जोर देते हुए कहा कि मुस्लिम समाज ने इस विधेयक को उसके वर्तमान स्वरूप में अस्वीकार कर दिया है, क्योंकि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25, 26 और 14 का उल्लंघन करता है, जो धार्मिक समानता और स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है।

लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान ओवैसी ने कहा, मैं इस शासन को सतर्क कर रहा हूं और चेतावनी दे रहा हूंकृ यदि आप मौजूदा स्वरूप में वक्फ विधेयक संसद में लाते हैं और इसे नियम बना देते हैं, तो इससे देश में सामाजिक अस्थिरता फैलेगी। इसे पूरे मुस्लिम समाज ने खारिज कर दिया है। वक्फ संपत्ति का एक भी हिस्सा नहीं छोड़ा जाएगा।यह कहते हुए कि यह विधेयक देश की उन्नति में बाधा बनेगा, ओवैसी ने कहा, आप उन्नत भारत बनाना चाहते हैं, हम भी उन्नत भारत चाहते हैं।

## दिल्ली विधानसभा मतदान संपन्न

**नई दिल्ली।** दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए आज मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई। सुबह 7 बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 5 बजे तक शांतिपूर्ण तरीके से चला, जिसमें 57.70 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। चुनाव आयोग के अनुसार, सभी 70 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, और चुनावी माहौल शांतिपूर्ण रहा, हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की नोंक-झोंक की घटनाएँ सामने आईं।

चुनाव में प्रमुख दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सत्ता में वापसी का दावा किया, वहीं आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश की। कांग्रेस ने भी चुनाव में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की।

चुनाव आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर विवाद उत्पन्न हुए, खासकर उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर क्षेत्र में फर्जी मतदान के आरोपों को लेकर भाजपा और आप समर्थकों के बीच टकराव की घटनाएँ सामने आईं। हालांकि, सुरक्षा बलों ने स्थिति को काबू में कर लिया।

अब सभी की नजरें 8 फरवरी पर होंगी, जब वोटों की गिनती की जाएगी और चुनाव परिणामों का ऐलान किया जाएगा। राजनीतिक दलों के साथ-साथ मतदाता भी इस परिणाम का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।चुनाव परिणामों के साथ ही यह भी देखा जाएगा कि दिल्ली के चुनाव में किस पार्टी को सत्ता की कमान मिलती है, और क्या किसी दल को स्पष्ट बहुमत मिलेगा या फिर गठबंधन की आवश्यकता होगी।

## गृहमंत्रीः जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज करें सुरक्षा एजेंसियां

**जम्मू।**

**केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया, ताकि शून्य घुसपैठ के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। शाह ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर दो दिन में दो उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के निरंतर और समन्वित प्रयासों के कारण केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद का तंत्र कमजोर हुआ है।**

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, गृह मंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को शून्य घुसपैठ के लक्ष्य के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ÷हमारा लक्ष्य आतंकवादियों को जड़ से उखाड़ फेंकना होना चाहिए।÷ शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

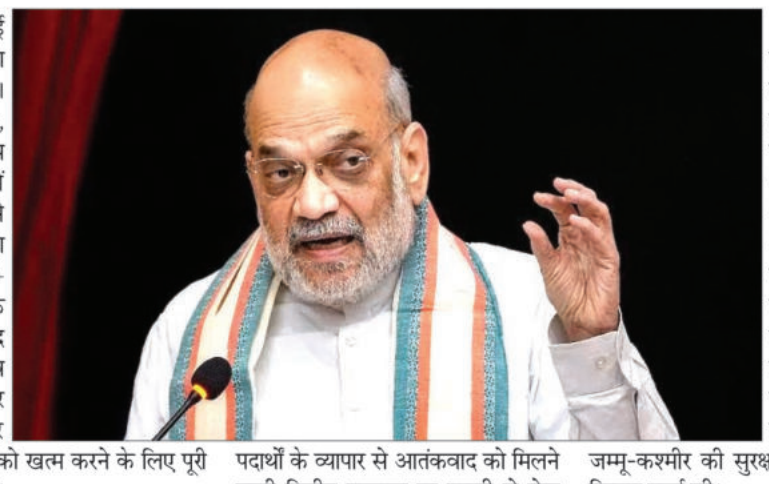

गृह मंत्री ने यह भी कहा कि मादक पदार्थों के व्यापार से आतंकवाद को मिलने वाली वित्तीय सहायता पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए।

गृह मंत्री ने मंगलवार और बुधवार को लगातार दो बैठकों में सेना, पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। यह पहली बार था जब गृह मंत्री ने लगातार दो दिन जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर इतनी विस्तृत चर्चा की।

विज्ञप्ति के अनुसार, बैठकों में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया विभाग के निदेशक तपन डेका, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और अन्य शीर्ष सैन्य, पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

ये बैठकें दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आयोजित की गईं, जिसमें पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे की मौत हो गई थी और उनकी पत्नी तथा भतीजी घायल हो गई थीं।

गृह मंत्री ने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिया कि आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

## प्रधानमंत्री मोदी की त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी

**प्रयागराज।**

महाकुंभ के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को त्रिवेणी संगम पहुंचकर पवित्र स्नान किया। इस दौरान उनके साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने स्नान के बाद गंगा आरती की और देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

संगम में पवित्र स्नान के बाद प्रधानमंत्री ने गंगा नदी के तट पर विधिवत पूजा-अर्चना की और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष अनुष्ठान किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का संगम भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री मोदी से पहले कई प्रमुख हस्तियां भी त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा चुकी हैं, जिनमें गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, अन्य केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के चलते श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। लाखों भक्त देश-विदेश से आकर गंगा स्नान कर रहे हैं और साधु-संतों के प्रवचनों में भाग ले रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए हजारों पुलिसकर्मी और विशेष सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

# मढ़ई में है प्रदेश का सबसे सुंदर गांव

**भोपाल।**

मध्य प्रदेश का शहरी हिस्सा जितना विकासशील है, उसका ग्रामीण हिस्सा उतना ही खूबसूरत और शांत है। यहां के कई ऐसे गांव हैं, जहां देश-विदेश से पर्यटक घूमने और समय बिताने के लिए पहुंचते हैं। चाहे वो सावरवानी हो या प्राणपुर, चाहे लाड़पुरा हो, यहां पर्यटक 'विलेज लाइफ' का एक्सपीरियंस लेने पहुंचते हैं। इन पर्यटकों के लिए गांवों में होम स्टे की सुविधा मिलती है। हालांकि इस बीच मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम के मढ़ई में 15 होम स्टे शुभारंभ किया गया है, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

### जन्नत से कम नहीं नर्मदापुरम का मढ़ई गांव

मध्य प्रदेश के सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला में स्थित मढ़ई अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। इसे नर्मदापुरम का रत्न भी कहा जाता है। यह शांत और मनमोहक स्थल है। यहां बहुतायत में जैव विविधता देखने को मिलती है। यहां चारों तरफ हरियाली के दर्शन होते हैं।

इसके अलावा मढ़ई के घने जंगल, ऊंचे पहाड़, मनमोहक झरने आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। यहां घूमने के लिए खर्च भी बहुत कम आएंगे। खासकर आप भीड़-भाड़ वाले इलाके से दूर रहना चाहते हैं तो इसके लिए मढ़ई के पास छेड़का गांव और ढाबा में होम स्टे बनाए गए हैं, जहां पर्यटक ग्रामीण जीवन का अनुभव कर सकेंगे।

### होम स्टे में ठहरने का खर्च भी ज्यादा नहीं

नर्मदापुरम के मढ़ई पर्यटन स्थल के नजदीक 15 होमस्टे बनाए गए हैं, जहां अब पर्यटक विलेज लाइफ का एक्सपीरियंस ले सकेंगे। ये होम स्टे ग्राम छेड़का, ढाबा और उरदौन में बनकर तैयार हुए हैं। खास बात ये है कि यहां ठहरने का खर्च भी ज्यादा नहीं है। वहीं इसके लिए पर्यटकों को मात्र 2 हजार से 3 हजार रुपये रोजाना की दर से चुकाना पड़ेगा।

### होम स्टे में मिलेगी ये सुविधा

यहां भोजन और चाय निःशुल्क मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा रात में गांव-गांव के लोकल ट्राईबल ग्रुप द्वारा लोकनृत्य से पर्यटकों का मनोरंजन कराया जाता है। होमस्टे में खासतौर पर मक्के और बाजरे की रोटी, कोदो की खीर, चने की भाजी और महुए की डुबरी समेत स्थानीय भोजन परोसा जाता है। ये भोजन पारंपरिक स्टाइल में चूल्हों पर पकाया जाता है। यहां का आदिवासी समाज इन होम स्टे में पर्यटकों का कला, प्रथा और स्नेह के साथ सहर्ष स्वागत किया जाता है।

# छोटी आटा चक्की से शुरुआत की और किया 30 लाख का जेएस गोल्ड आटा उद्योग स्थापित

**माही की गूंज, मंदसौर।**

छोटी आटा चक्की से शुरुआत करके एक बड़ा मुकाम हासिल करना हर किसी के बस की बात नहीं होती है, लेकिन इमरान हुसैन निजामी जो की सोनगरी के रहने वाले हैं। इन्होंने करके दिखाया है। इमरान कहते हैं कि मैं बचपन से ही छोटी चक्की में आटा पीस रहा हूं। मेरे परिवार वाले भी इसी छोटी चक्की से आटा पीसते थे। इमरान ने आठवीं तक पढ़ाई की है। लेकिन इनका सपना था कि आटा चक्की को लेकर एक बड़ा उद्योग स्थापित करेंगे। इसके लिए इन्होंने उद्यानिकी विभाग से संपर्क किया और विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के माध्यम से लोन मिल सकता है। योजना के द्वारा इमरान को 25 लाख 56 हजार का लोन मिला। जिस पर 10 लाख रुपए की सब्सिडी अनुदान भी इनको प्राप्त हुआ। अब इन्होंने लोन से लगभग 30 लाख रुपए का उद्योग अपने खेत पर ही स्थापित किया है और वहीं से आधुनिक मशीनों के माध्यम से गेहूं का आटा पीसते हैं। इनके पास आधुनिक मशीन है। जिसमें डिशटोनर मशीन, स्कूलर मशीन, बदख मशीन, कन्वेयर वाशिंग मशीन, पैकिंग मशीन, रुला मशीन, एलीवेटर मशीन, रिल मशीन, क्लीनिंग मशीन इत्यादि मशीनों के माध्यम से ये गेहूं की ब्रांडिंग, उसकी छटनी, उसकी सफाई, गेहूं को गर्म करना, आटे को ठंडा करना इत्यादि कार्य करते हैं। उनकी ब्रांड का नाम जेएस गोल्ड है। इनके उद्योग की खास विशेषता यह है कि आटे को पीसने के पश्चात भी आटे के पोषक तत्त्व खत्म नहीं होने देते हैं। पीसते ही आटे को तुरंत मशीन के माध्यम से ठंडा करते हैं। जिससे गेहूं के जो पोषक तत्त्व होते हैं वे खत्म नहीं होते हैं। इसके साथ ही पीसने से पूर्व गेहूं को नमी युक्त मशीनों का माध्यम से किया जाता है। जिससे आटे की गुणवत्ता बनी रहती है। मशीनों के माध्यम से इमरान एक दिन में 2 टन गेहूं को पीसते हैं और इनका सारा आटा मंदसौर में ही बिक जाता है। मंदसौर के व्यापारी इनके उद्योग से ही आटा खरीद लेते हैं। इनके आटे की बहुत डिमांड रहती है। डिमांड के अनुसार आपूर्ति नहीं कर पाते हैं। ये अन्य लोगों को भी साथ में रोजगार दे रहे हैं। इनको महीने की 70 से 80 हजार रुपए आय प्राप्त हो जाती है और साल की ये 7 से 8 लाख रुपए कमाते हैं।

# पीएचई विभाग द्वारा जल संरक्षण व स्थायित्व की कार्य योजना ग्राम लिंबावास में बनी

**माही की गूंज, मंदसौर।**

भारत शासन के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा संचालित जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत जिले मे क्रियान्वित की गई नल जल प्रदाय योजनाओ से ग्राम वासियों को वर्ष भर शुद्ध व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके, इसके लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा समुदाय संचालित ग्राम जल सुरक्षा एवं संरक्षण कार्यक्रम की कार्य योजना तैयार की जा रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री प्रदीप गोगादे के निर्देशन में विभाग के जिला सलाहकार मुकेश गुप्ता ने ग्राम लिंबावास में स्थापित पेयजल स्त्रोतों को रिचार्ज करने एवं ग्राम में समग्र स्वच्छता का वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पांच भागों में जिनमे समुदाय संचालित जल स्थायित्व कार्य योजना, पेयजल सुविधाओं का संचालन एवं रखरखाव की कार्य योजना, पेयजल गुणवत्ता प्रबंधन कार्य योजना, पर्यावरण स्वच्छता कार्यक्रम योजना एवं अपशिष्ट ठोस कचरा प्रबंधन की कार्य योजना ग्राम वासियों के सहयोग से तैयार की जा रही है। पेयजल स्त्रोतो का जल स्तर बढ़ाने के लिए ग्राम में स्थित तालाब व तलाई का गहरीकरण, पेयजल कूप का गहरीकरण, पेयजल स्त्रोतों को स्वच्छ व सुरक्षित रखने उनका नियमित क्लोरिनेशन करने एवं स्त्रोतों से प्राप्त पानी का जल गुणवत्ता परीक्षण नियमित रूप से इसके साथ ही ग्राम की योजना में सम्पूर्ण ग्राम वासियों की जनसहभागीता सुनिश्चित करने, गांव के ठोस व तरल अपशिष्ट पदार्थों के निष्पादन करने ग्राम का जलस्तर बढ़ाने ने के लिए जल संरक्षण व संवर्धन की छोटी-छोटी वीधियो बोरी बंधान, रिचार्ज पीट, रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, खेत तालाब के बारे में ग्राम वासियों को जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम के सरपंच मांगीलाल पोरवाल, सचिव अमरसिंह चंदेल, आशा कार्यकर्त्ता, शिक्षक सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

# खाद्य पंजीयन के लिए लगेगा शिविर

**माही की गूंज, खवासा।**

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में खाद्य व्यवसाय से सम्बन्धित कारोबारियों के लिए शिविर लगातार आयोजित किये जा रहे है। जिसमें सब्जी-फल विक्रेता, मांस विक्रेता, मछली अंडा विक्रेता, पान गुमटी, पानी पुरी चाट सेंटर, समस्त किराना दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, स्वयं सहायता समूह, शासकीय एवं निजी हॉस्टल में संचालित कैंटीन, आइसक्रीम पार्लर, बेकरी, मेडिकल दुकान, दूध विक्रेता (फेरीवाले, डेयरी) इत्यादि के पंजीयन बनाकर मौके पर ही वितरित किये जा रहे है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा बताया गया कि, बिना लाइसेंस, पंजीयन कारोबार संचालन करते पाए जाने पर अधिकतम 2 लाख तक जुर्माने का प्रावधान है। अतः सभी को सूचित किया गया है कि, 07 फरवरी 2025 को प्रातः 11 से 4 बजे तक खवासा ग्राम पंचायत भवन में एक फोटो एवं आधार कार्ड की फोटोकॉपी साथ लेकर आये।

माँस, मछली, चिकन विक्रेता को स्थानीय निकाय से व्यवसाय संचालन के सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना आवश्यक है।

### फेरीवालों को खाद्य पंजीयन शुल्क माफ

खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली के आदेश 30 सितम्बर 2024 के द्वारा सभी फेरीवाला (हॉकर श्रेणी) के विक्रेताओं को पंजीयन शुल्क शून्य कर दिया है। अर्थात ऐसे समस्त खाद्य विक्रेता जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते फिरते खाद्य पदार्थों का व्यवसाय करते हैं (आमतौर पर पैदल चलने वाले या ठेले वाले) को पंजीयन शुल्क नहीं देना होगा। साथ ही पंजीयन आवेदन करने पर यह 5 वर्षों के लिए मान्य रहेगा। फेरी वालों के लिए नवीनीकरण की स्थिति में भी फीस माफ रहेगी। यह आदेश केवल फेरी वाले छोटे खाद्य कारोबारकर्ताओ के लिए मान्य है।

# प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

**माही की गूंज, सारंगी।**

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सरकार के द्वारा प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को स्कूटी की चाबी देकर छात्र, छात्रोंओ को सम्मानित किया। इसी कड़ी में सारंगी स्कूल में भी छात्र राधेश्याम दिनेश चारेल 84.6 प्रतिशत एवं छात्रा रामकन्या जवर सिंह निनामा 74.4 प्रतिशत को प्रमाण-पत्र दिए। उसके पहले सभी छात्र-छात्राओं ने मुख्यमंत्री का टीवी पर प्रसारण सुना। उपस्थित युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र गेहलोत ने भी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सारंगी उप सरपंच रणजीत सिंह राठौर, भाजपा कार्यकर्ता प्रेमदास बैरागी, प्राचार्य हीरजी निनामा, जगदीश मंडलोई, पंकज बैरागी , शंभूलाल मालीवाड़, बीएस चंद्रावत, सोम सिंह डामर, दिलीप डामर, माया भास्कर, नारायण डामर, राकेश कटारा, कालू कटारा, रायचंद पारगी, महेश भाबर सैयोनी उपाध्याय, ममता चौधरी, वर्षा प्रजापत, दीपक मेडा एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

# बोर्ड परीक्षाओं की तैयारिया. विडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई

**माही की गूंज, झाबुआ।**

माध्यमिक शिक्षा मण्डल अध्यक्ष श्रीमती स्मिता भारद्वाज की अध्यक्षता में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों के सम्बन्ध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया।

वीसी में बोर्ड परीक्षाओं हेतु केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष, प्रश्न पत्र थाने से निकालने हेतु कलेक्टर प्रतिनिधि की नियुक्ति एवं उनके दायित्वो, मोबाइल एप प्रयोग करने के प्रशिक्षण आदि के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त बोर्ड परीक्षाओं के दौरान परीक्षा की गोपनीयता एवं अतिरिक्त सावधानिया हेतु दिशा-निर्देश के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

इस दौरान कलेक्टर नेहा मीना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पीएल कुर्वे, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहरा, जिला शिक्षा अधिकारी आरएस बामनिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# छात्रवृत्ति व आवास सहायता नवीनीकरण के आवेदन 15 तक

**माही की गूंज, झाबुआ।**

कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, म.प्र. भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2021-22, 2022-23 तथा 2023-24 के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, आवास सहायता योजना के नवीनीकरण के आवेदन 15 फरवरी 2025 तक एमपीटॉस पोर्टल पर अद्यतन किये जाने संबंधी सूचना प्राप्त हुई है।

जिले के समस्त अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के पात्र विद्यार्थियों से अनुरोध किया है कि, नियमानुसार अपना बैंक खाता, डीबीटी, आधार, बेस्ड लिंक करवाएं एवं अपना आवेदन योजनान्तर्गत 15 फरवरी 2025 के पूर्व एमपीटॉस पोर्टल पर अद्यतन करें एवं महाविद्यालय को अवगत कराए। ताकि योजनान्तर्गत लाभांवित किया जा सके।

# नकली दस्तावेज बनाकर रह रहे अपराधी: पुलिस के खुफिया तंत्र पर प्रश्न चिन्ह

**माही की गूंज,झाबुआ।**

पुलिस ने प्रेस वार्ता कर बताया कि, क्राईम ब्रांच और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने मुकबीर सूचना पर 60 हजार रुपये का ईनामी अपराधी को 25 लाख रुपये की किमती एमडीएमए ड्रग्स के साथ धर दबौचा। अपराधी की घेराबंदी के लिए चंबल नदी के पुलिया चुना, जहां पुलिस को देखकर अंतरराज्जीय तस्कर सलमान लाला भागने लगा जिसे पुलिस ने पकड़ा।

2 वर्षों से फरार आरोपी सलमान लाला पर 60हजार रुपये का ईनाम रखा गया था। इस अपराधी के पास से पुलिस को 25 ग्राम से ज्यादा की एमडीएमए ड्रग्स मिली जिसकी किमत 25 लाख रुपए बताई जा गई है। पुलिस ने बताया बीते दो वर्षो से फरार आरोपी झाबुआ जिले में फर्जी दस्तावेज बनवाकर निवास कर रहा था। यहां तक की विदेश जाने की तैयारिया भी पुरी हो चुकी थी।

देखा जाए तो यह कोई पहला मामला नहीं है जब पुलिस ने झाबुआ जिले के किसी अंतरराज्जीय अपराधी को पकड़ा हो... पहले भी अनेक बार पुलिस झाबुआ से ऐसे आरोपियो को पकड़कर ले गई। लेकिन उनका साथ देने वालों पर सख्त कार्यवाही नहीं होती। जिसकी वजह से अपराधियों को शरण देने वालों की हिम्मत बढ़ जाती है। पुलिस अपराधियों के सहयोगियों पर सख्त कार्यवाही कर दें तो आपराधियों को आने वाले समय में कोई भी सहयोग नहीं करेगा। लेकिन पुलिस की कमजोरी है कि, वह अपराधियों के मदद देने वालों पर किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं करती।

## पुलिस कप्तान को बनाना होगा जांच दल

जिस तरह नागदा की पुलिस ने उजागर किया कि ड्रग्स का अपराधी झाबुआ के थांदला में निवास कर रहा था, और सहयोग करने वालों का पुलिस ने कुछ नहीं किया, ऐसे ही झाबुआ में बीते 15 दिन पहले की घटना में भी पुलिस ने कुछ न करते हुए अपने जेब में हाथ डाल लिए। जानकारी के अनुसार खाचरोद पुलिस अपहरण करने वाले आरोपियों कि तलाश में जुटी थी। जिनकी लोकेशन झाबुआ शहर बता रही थी। पुलिस ने दिनभर जिला जेल के पिछे जहां की लोकेशन मिल रही थी वहां कुछ घरो में तलाशी ली। जब एक घर शंका के घेरे में आया तो घर मालिक से बात की तो वह न तो ऊपर का दरवाजा खोलने के लिए तैयार था न ही ठीक से बात करने के और वह भी भागने के लिए मौका ढुढ रहा था जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो घर मालिक ने ऊपर का ताला खोला और पुलिस को वहां से अपहरण का आरोपी मिला। पुलिस उसे तो ले कर चली गई मगर अपराधी को अपने घर पर शरण देने वाले को पुलिस ने छोड़ दिया, जबकि अपराधी के साथ देने वाला भी अपराधी ही कहलाता है।

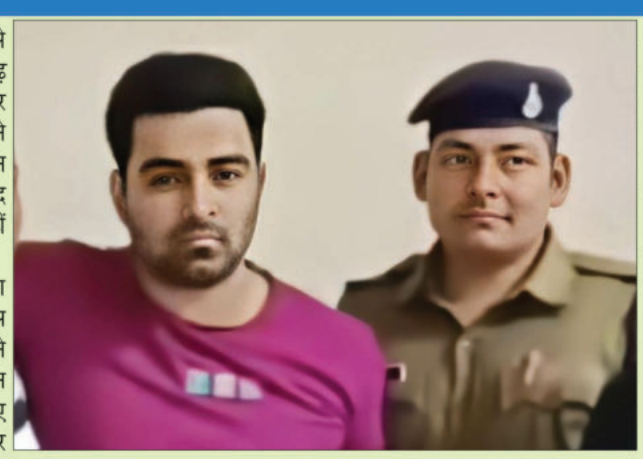

इस मामले में जब झाबुआ कोतवाली प्रभारी आरसी भास्करे से चर्चा की गई तो उन्होंने यह तो बताया कि, खाचरोद पुलिस आई थी और अपहरण के अपराधी को पकड़ कर ले गई। लेकिन अपराधी को पनाह देने वाले पर क्यों कार नहीं की गई इस बात की पुष्टी नहीं कर पाए और बाद में बात करने की बात करते हुए फोन रख दिया।

रिकेश बैरागी

ऐसे अपराधियों की लिस्ट बहुत लंबी है जो अन्य जिलों या राज्यो में अपराध करके झाबुआ जिले में आकर निवास करते है। बहुचर्चित गोदरा कांड का आरोपी भी एक दशक से ज्यादा समय झाबुआ में बिताकर अपनी आजिविका चला रहा था।

पुलिस को अपने खुफिया तंत्र और अधिक शक्तिशाली करना होगा और पुलिस कप्तान को एक दल तैयार करना होगा जो ऐसे अपराधियों की तलाश करे और उनको सलाखों के पीछे करे। साथ ही साथ उन लोगों को भी सजा दे जो अपराधियों को शरण देकर उनका साथ दे रहे हैं।

# कछुआ गति से चला जल जीवन जल मिशन का कार्य आज भी अूधरा

## मामलाः थांदला जनपद की कोटड़ा ग्राम पंचायत का

ठेकेदार ने इस तरह से सार्वजनिक पानी देने हैतु नल स्टेण्ड लगा दिये पर पानी अब तक नलो में नही आया।

अभी से ग्रामीण पानी की जुगत में हैडपम्प पर लगा रहै है लाईन।

माही की गूंज, खवासा।

**जल जीवन जल मिशन के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मिले इस उद्देश्य से सरकार द्वारा हर घर में नल कनेक्शन दिए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य हर घर में नल कनेक्शन देने का यह है कि, लोगों के घरों तक शुद्ध पानी पहुंचे। केंद्र सरकार का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है, और निर्माण एजेंसी लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग है, जो ठेकेदार के मार्फत से कार्य करवा रही है। लेकिन कार्य लंबे समय से चलने के बाद भी आज भी अधूरा है, जिनकी देखरेख करने की जिम्मेदारी है, वह ऑफिस में बैठकर ही रस्म निभा रहे हैं। वही ठेकेदार इधर निम्न व घटिया किस्म का कार्य करके कछुआ गति से कार्य कर रहा है। जिसकी और विभागीय अधिकारी को देखने तक की फुर्सत नहीं है।**

कुछ ऐसा ही एक मामला थांदला जनपद के सेमलिया थांदला कलस्टर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कोटडा में सामने आ रहा है। जहां 2 साल पूर्व ठेकेदार ने कार्य तो शुरू कर दिया था। लेकिन कार्य के दौरान जिस खुदाई से कार्य होना चाहिए और जिस इस्टीमेन्ट से नल लगना चाहिए उस हिसाब से नल न लगाते हुए सिर्फ खाना पूर्ति की गई और कनेकशन ऐसे ही स्टेण्ड के रूप में छोड़ दिए और कार्य कछुआ गति से चला जिसकी वजह से आज दिन तक ग्रामीणों को नलों से पानी ही नहीं मिल पाया। सिर्फ एक-दो बार टेस्ट किया और नल दिए उसके बाद अभी तक ग्रामीणों को नलों से पानी नहीं मिल पा रहा है। बताते हैं, थांदला लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग सब डिवीजन के अधीन आने वाली नल जल योजना कोटडा में एवीसी ग्रुप कंस्ट्रक्शन कंपनी सुरत वाले ने कार्य किया था। कार्य निम्न व घटिया स्तर तो क्या ही, साथ ही आज दिन तक कार्य अधूरा पड़ा है। जबकि वहां जल स्रोत भी है, और जो जल जीवन जल मिशन के माध्यम से ट्यूवेल लगना चाहिए वह ट्यूवेल भी लगाए गए हैं।

ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि, जहां ट्यूबवेल लगाए हैं, वहां लोगों को पानी तो कम मिल रहा है। जिसके यहां जिस जमीन पर लगाया वहां तो लोग उस ट्यूबवेल से सिंचाई के लिए अपनी फसल मे पानी पिला रहे है और ट्यूबवेल का इस्तेमाल कर रहे हैं। जबकि सरकार ने वहां तो नल जल योजना के तहत लोगों को पानी देने की सहूलियत के हिसाब से ही ट्यूबवेल लगवाए थे। लेकिन यहां तो नल जल योजना के ट्यूबवेल से लोग खेतों में पानी पिला रहे हैं। वही आज भी योजना में करोड़ो खर्च के बाद भी लोग पानी के लिए तरस रहे हैं यह आरोप ग्रामीणों लगा रहे है। केंद्र सरकार के माध्यम से कागजो के आधार पर हर घरों में शुद्ध जल पहुंचने के दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर इन दावों को किस तरह से ठेकेदार वह संबंधित अधिकारी पलीता लगा रहे हैं, यह कोटडा ग्राम पंचायत में भी देखा जा सकता है। वही ग्राम पंचायत ने अभी तक इस और ठेकेदार के ऊपर भी कोई कार्रवाई के लिए अधिकारियों को अवगत नहीं कराया। तो वही ठेकेदार ने भी ग्राम पंचायत में कितना कार्य हुआ है, यह ग्राम पंचायत को बताना मुनासिब नहीं समझा जिसके कारण कार्य कछुआ गति से कार्य होकर अधुरा पड़ा हुआ है। कई दिनो से ठेकेदार भी गायब है, ग्रामीणों की मांग है कि आने वाले गर्मी के समय में हमें शुद्ध जल मिल जाए पर वर्तमान कार्य की स्थिति को देख लगता है इस वर्ष भी गर्मी में नल से पानी नही मीलेगा। ग्रामीणो का कहना है, आखिर करोड़ों रुपए योजनाओं के नाम पर दिए जा रहे हैं, तो धरातल पर इन योजनाओं पर सही क्रियावेन भी होना चाहिए।

# पति मजदुरी पर महिला ने बच्चों के साथ खाया जहर

माही की गूंज,थांदला।

एक 29 वर्षीय महिला ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला द्वारा अपने दो बच्चों को भी जहर खिलाने की बात सामने आ रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार काकनवानी थाना क्षेत्र के किकलवेरी गांव की कमलू पति रमेश मेड़ा ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। कमलू द्वारा अपने दोनों बच्चों अरविंद और आर्यन को भी जहर खिलाने की बात सामने आ रही है। घटना की जानकारी लगते ही कमलू के परिजन उसे लेकर थांदला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां पर कमलू को चिकित्सकों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया। वहीं दोनों बच्चों को गंभीर हालत में जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है।

जानकारी देते हुए थांदला थाना प्रभारी बृजेश कुमार मालवीय ने बताया, मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला द्वारा स्वयं और बच्चों को जहर खिलाने की बात सामने आ रही है। महिला का पति रमेश मैंड़ा फिलहाल मजदूरी पर गया हुआ है। पुलिस पूरे मामले पर विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

## एसडीओपी के स्थानांतरण पर विदाई दी गई

माही की गूंज ,पेटलावद।

सरल सौम्य व्यक्तित्व और कानून के नियमों का पालन करवाने के लिए अडिंग व्यक्तित्व वाले एसडीओपी सौरभ तोमर के स्थानांतरण से पेटलावद को इनकी कमी खलेगी। किंतु प्रशासनीक महकमें में स्थानांतरण एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। हम तोमर को शुभकामनाएं देते है। इन्होंने पेटलावद में रह कर कानून व्यवस्था, सामाजिक पुलिसिंग को बढावा दिया है। इसी प्रकार हर अधिकारी जनता से तालमेल कर कानून व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाये। उक्त व्यक्तव्य एसडीओपी सौरभ तोमर के स्थानांतरण पर पुलिस थाना पेटलावद पर आयोजित विदाई समारोह में मुख्य वक्ता संपर्क के संचालक निलेश देसाई ने दिये। इस मौके पर अन्य वक्ता तहसीलदार हुकमसिंह निगवाल, पारसमल कोटडिया, अभिभाषक विनोद पुरोहित, व्यापारी दिलीप भंडारी, प्रबोध मोदी,बलदेव सिंह राठौड,थांदला एसडीओपी रविंद्र राठी, कार्यवाहक एसडीओपी कमलेश शर्मा, नप अध्यक्ष ललीता योगेश गामड, मंडल अध्यक्ष संजय कहार आदि ने भी संबोधित करते हुए सौरभ तोमर के कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। विदाई समारोह में संबोधित करते हुए

एसडीओपी श्री तोमर ने भावुक होते हुए कहा कि, पेटलावद की यादे हमेशा उनके मन मस्तिष्क में रहेगी। यहां की जनता का प्रेम और पुलिस कर्मचारियों सहित अन्य विभागों का सहयोग हमेशा याद रहेगा।

# शासकीय जमीन को करवाया अतिक्रमण मुक्त

माही की गूंज ,पेटलावद।

प्रशासन की सक्रियता से रूपगढ रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास की 5 बीघा शासकीय जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। प्रशासन के द्वारा बुलडोजर चलवा कर और सामंजस्य बनाकर अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। अतिक्रमण पर प्रशासन का बुलडोजर चला ओर विधिवत नपती कर शासन मद की करीब 5 बीघा जमीन ओर सरकारी रास्ता अतिक्रमणकारियो से मुक्त करवाई।

रूपगढ़ रोड़ स्थित हनुमानगढ़ मंदिर के पास शासकीय जमीन जो वर्षों से अवैध रूप से अतिक्रमणकारियो ने जमीन पर कब्जा कर रखा था। लंबे समय से जनप्रतिनिधि जमीन को मुक्त करवाने का प्रयास कर रहे थे। आखिरकार प्रशासन की जेसीबी चली और पूरी जमीन 4 अतिक्रमणकारियो से मुक्त करवाई। तहसीलदार हुकुमसिंह निगवाल ने तत्काल कार्यवाही करते हुए राजस्व व पुलिस अधिकारियो की टीम का गठन कर कार्यवाही को संपादित करवाया। मौके पर आवेदनकर्ता ओर शासकीय भूमि के अतिक्रमणकारी तथा आसपास के भू-स्वामी, प्रशासनिक टीम, समिति के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता आदि मौजूद थे।

तहसीलदार निगवाल ने सभी लोगो को संतुष्ट करते हुए सभी के सामने सीमांकन करते हुए सभी की जमीन की सीमा चिन्हित करते हुए शासकीय भूमि कब्जे से छुडाई। सीमांकन के समय तहसीलदार हुकुमसिंह निगवाल के नेतृत्व में पुलिस थाना प्रभारी दिनेश शर्मा, नायब तहसीलदार अंकिता भिड़े, श्री कटारे, राजस्व निरीक्षक अनिल किराडे, श्री नरगीस, रामलाल भाभर, रामचंद्र कटारा, श्यामपालसिंह चन्द्रावत, गगनदीप उईके, ईश्वरलाल पाटीदार, निलेश परमार, श्रीमती हेमा नलवाया, रामचन्द्र डामर के साथ पुलिस बल मौजूद था।

## अध्यक्ष जिला पंचायत ने खादी वस्त्रों तथा ग्रामोद्योग उत्पादों की प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

माही की गूंज, धार।

मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी वस्त्रों तथा ग्रामोद्योग उत्पादों के विक्रय एवं प्रचार-प्रसार हेतु 4 से 10 फरवरी तक घोड़ा चौपाटी, लालबाग परिसर के श्री विक्रम ज्ञान मंदिर हॉल में खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा हैं। जिसका उद्घाटन मंगलवार को जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारर सिंह मेडा ने किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में म.प्र.खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा निर्मित अपने उत्कृष्ट सुती खादी, रेशमी, सिल्क वस्त्र, साड़िया रेडिमेट शर्ट, जॉकेट कुरते-पजामे, बेडशीट, चादरे आदि अनेक उत्पाद उक्त प्रदर्शनी में उपलब्ध होगें। इसी के साथ ग्रामोद्योग इकाईयॉ द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे मसाला, पापड़, अगरबत्ती, शेम्पो, हार्बल ब्यूटी प्रोडक्टस, शुद्ध घानी सरसों का तेल, शहद आदि उत्पादों का विक्रय होगा। जानकारी देते हुए प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग जिला पंचायत धार हिरमलसिंह सस्त्या ने बताया कि प्रदर्शनी प्रतिदिन आम जनता के लिए दोपहर 12 बजे से रात्री 9.30 बजे तक रहेगी।

# बैंक द्वारा बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए

माही की गूंज,पेटलावद।

सम्पर्क बुनियादी शाला हाई स्कूल, रायपुरिया में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के आदर्शों पर ऑल इंडिया बैंक ऑफ़ इंडिया एससी/एसटी/ओबीसी एसोसिएशन द्वारा एक विशेष कार्यक्रम ÷पे बेक टू सोसायटी÷ का आयोजन किया गया। जिसमें जरूरतमंद बच्चों के बीच स्कूल बैग वितरित किए गये। यह पहल बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने और उनके उज्जवल भविष्य की दिशा में किए जा रहे योगदान के अनुरूप हैं। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें देशभक्ति गीत, नृत्य और नाटक शामिल थे। इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक रवीन्द्र नाथ सरकार, एवं एसोसिएशन के आर.एम. खापर्डे, जे.के. काम्बले, डी.आर. मीना, आर.एस. ठाकुर, ओ.पी.धीमान, एवं स्टाफ उपस्थिति थे। जिन्होंने

बच्चों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए एवं सम्पर्क बुनियादी शाला हाई स्कूल के प्रमुख निलेश देसाईं के द्वारा किए गए समाज के उत्थान के कार्यों की जानकारी दि। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, शिक्षक, अभिभावक और एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित रहे। इस आयोजन ने महात्मा गांधीजी एवं बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के शिक्षा और समानता के आदर्शों को सच्चे अर्थों में साकार किया।

**गूंज असर**

# बिजली चोरी करने वाले ठेकेदार की कारस्तानी ऐसी कि फोटो खिंचवा कर हटाए सरिये

माही की गूंज, खवासा/भामल।

ग्राम पंचायत रंन्नी में 45 लाख की लागत से डबल मंजिल आरोग्य अस्पताल का निर्माण हो रहा है। निर्माण अभी शुरू ही हुआ है कि, कुर्सी लेवल व बीम कालम भरने के बाद आदि में अभी तक ठेकेदार ने विद्युत कनेक्शन नहीं लिया था जिसका समाचार हमने प्रमुखता से पिछले अंक में प्रकाशित किया था। जिसका शीर्षक था 45 लाख की लागत से हो रहा आरोग्य अस्पताल भवन का निर्माण रंन्नी सहित आसपास ग्रामीण अंचलों को मिलेगा समुचित लाभ। लेकिन कार्य के दौरान ठेकेदार आकर कंस्ट्रक्शन कंपनी भोपाल के सुपर वाइजर कृष्णा गुर्जर द्वारा रन्नी मे बिजली चोरी की जा रही थी। जिसमे बिल्डिंग में उपयोग आने वाले सरिया, विद्युत कटर से उसकी कटाई भी की जा रही थी। माही की गूंज में बिजली चोरी संबंधित समाचार छपने के बाद विद्युत विभाग के अधिकारी सचेत हुए और ठेकेदार ने तत्काल जाकर म,प्र प,क्षे,वी केंद्र खवासा में जाकर 6 हजार रुपये जमा करने के बाद अस्थाई कनेक्शन लिया गया। ग्रामीण अंचलों में इस तरह से कई जगह शासकीय कार्य चल रहे हैं, जहां ठेकेदार द्वारा हमेशा कई पर भी अस्थाई कनेक्शन नहीं लिया जाता है। अगर कहीं मीडिया की नजर पड़ती है, और समाचार प्रकाशित होने के बाद विद्युत विभाग के अधिकारी व ठेकेदार सचेत होकर कनेक्शन लेने पहुंच जाते हैं। कुछ ऐसा ही मामला हमेंने रंन्नी में भी देखने को मिला जिसमें समाचार प्रकाशित होने के बाद ठेकेदार ने तत्काल कनेक्शन लिया और अभी मीटर लगाकर लाइन शुरू की गई।

बिजली चोरी करने वाले ठेकेदार ने फोटो खिचवा कर सरिये हटा कर बिना सरिये के ही भर दी भवन की सीसी पडल।

जहां भवन बनाया जा रहा वहां लेवल के रूप में जमीन के समतल करना था ताकि भवन पर कोई आच ना आए तथा सरिया लगाने थे लेकिन बिना सरिए ही कुर्सी लेवल कर छत भर दी गई।

जांच हो तो ठेकेदार की कमी पकड़ में आ सकती है। लेकिन यहां सवाल यह है कि, जांच करें कौन...? क्योंकि भोपाल से ही इंजीनियर शुभम बरवे साहब ठेकेदार की गाड़ी में बैठकर मॉनेटिंग करने आते हैं, जहां अस्पताल का निर्माण हो रहा है। वहां जमीन लेवल पर सरिया बिछाकर कुर्सी लेवल के साथ उसमें कभी भी जमीन पर दिक्कत ना आए और सरिया से भवन की पकड़ अच्छी हो इसी उद्देश्य से भवन के समतल पर सरिया बिछाए जाते हैं। ताकि भवन आने वाले समय के लिए मजबूत बना रहे। लेकिन माही की गूंज के सूत्र ने जानकारी देते हुए बताया कि, ठेकेदार ने भवन समतल लेवल करने में प्रथम लेवल पर जो सरिए जमीन के अंदर लगाना चाहिए थे वह सरिया जमीन पर नहीं लगा। सरिया जमीन पर पटक कर फोटो खींचाया जिसके बाद सरिया वापस मजदूरों से निकलवा लिए। जानकरी हमारे सूत्र ने दि व दबी जुबान से ग्रामीण बता रहे हैं कि, ठेकेदार ने फोटो खिचवाकर सरिये हटवा दिए और तत्काल इन्होंने सीमेंट व रेत का घोल करके कुर्सी लेवल कर दिया। अभी बीम कालम भर दिए अगर इसकी खुदाई करके फिर से जांच हो जाए और इंजीनियर साहब मानिटिंग करें तो ठेकेदार की कमी पकड़ में आ सकती है। जिले के अधिकारी भी अगर उसका निरीक्षण करें और जांच करें तो ठेकेदार पर बडी कार्रवाई हो सकती है।

### इनका कहना है

मैं जानकारी लेती हूँ हमारे नोडल अधिकारी सजय पीटीदार साइड पर जाते है, मैं उनसे जानकारी लेकर बताती हूँ।

**जिला अधिकारी आयुष विभाग झाबुआ प्रमिला चौहाना।**

मैं अभी इस मामले मे कुछ नहीं कहूंगा 10 मिनिट बात आपको फोन लगाता हूँ।

**शुभम बरवे सब इंजीनियर आवास विभाग भोपाल।**

## संपादकीय

# जबरन वापसी

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतः प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है।

निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था। लेकिन फिर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोलंबिया पर टैरिफ और प्रतिबंध लगाने की धमकी के बाद उन्होंने यू-टर्न ले लिया। अब वही कोलंबिया के राष्ट्रपति प्रवासियों से तुरंत घर आने और 'सामाजिक संपदा' के निर्माण में योगदान का अनुरोध कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत के पास अमेरिका से निर्वासन के लिये चिन्हित अपने करीब अट्ठारह हजार कथित अवैध प्रवासी नागरिकों के पुनर्वास को लेकर कोई योजना है? सरकार कैसे सुनिश्चित करेगी कि भविष्य में ये लोग फिर किसी आप्रवासन का दुस्साहस नहीं करेंगे? निश्चित रूप से समय की मांग है कि बेईमान ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी कार्रवाई की जाए, जो युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर अवैध रूप से अमेरिका व अन्य देशों में भेजते हैं। निस्संदेह, विकसित भारत का सपना दूर की कौड़ी है, लेकिन सबसे पहली प्राथमिकता देश की युवा शक्ति को कुशल बनाने तथा रोजगार के आकर्षक अवसर पैदा करना होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान कानूनी प्रवासन को सुव्यवस्थित करने का एजेंडा सर्वोपरि होना चाहिए।

# जब डब्ल्यूएचओ से अमेरिका का बाहर होना टला

कुछ दिन पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत चुनावी अभियान के दौरान किए गए वादों पर अमल करने के लिए कई आदेश जारी करके की। इनमें से एक घोषणा यह थी कि अमेरिका विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की आर्थिक सहायता रोक देगा और संगठन त्याग देगा।

इस खबर ने चार दशक से भी पहले की एक घटना की याद को ताजा कर दिया, जब मैं स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत था और मई, 1982 में स्विट्ज़रलैंड के जेनेवा में विश्व स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यूएचए) की वार्षिक बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा था। सम्मेलन के विस्तृत एजेंडा को विभाजित किया गया और इस पर ए और बी नामक दो आयोग बनाकर चर्चा की गई। 1982 में 163 सदस्यों वाले डब्ल्यूएचए ने सर्वसम्मति से मुझे आयोग बी की कार्यवाही की अध्यक्षता करने के लिए चयनित किया। जेनेवा में हमारे राजदूत एपी वेंकटेश्वरन ने इस पर नई दिल्ली को सूचित किया कि भारत के लिए यह एक उल्लेखनीय 'कूटनीतिक जीत' है।

मेरी अध्यक्षता के तीसरे दिन, एफ्रो-एशियाई देशों के एक समूह द्वारा प्रस्तुत एजेंडा के पहले आइटम में एक प्रस्ताव था, जिसका उद्देश्य इस्राइल के कब्जे वाले क्षेत्रों में रहने वाले फलस्तीनियों की खराब स्वास्थ्य स्थितियों की ओर ध्यान आकर्षित करना था। सभा में अभी-अभी पहुंचे डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. हाफडान महलर मेरे बगल में बैठे थे, जब मैंने फलस्तीनी प्रतिनिधिमंडल के नेता को वह प्रस्ताव पेश करने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें अन्य बातों के अलावा, इस विषय पर एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का उल्लेख था, साथ ही इसमें इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय, फलस्तीन मुक्ति संगठन और फलस्तीनी शरणार्थियों को राहत प्रदान करने वाली विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों का भी जिक्र था, इसमें संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के संबंधित प्रस्तावों का भी संदर्भ दिया गया था।

इससे पहले कि मैं इस मुद्दे पर बोलने के लिए अगले प्रतिनिधि को बुला पाता, डॉ. जॉन ब्रायंट, जो कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के जाने-माने नेता थे, अपने स्थान पर खड़े हो गए और गुस्से में 'नेम कार्ड' लहराते हुए तत्काल हस्तक्षेप करने की अनुमति मांगी। तल्ख शब्दों में डॉ. ब्रायंट ने शिकायत की कि यदि मसौदे के कुछ हिस्सों को तुरंत नहीं हटाया गया, तो 'इस्राइल के सदस्यता अधिकारों एवं सेवाओं को समाप्त करने में सबसे हानिकारक परिणाम होगा।' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस विषय-वस्तु पर और आगे चर्चा की गई, तो उन्हें निर्देश दिया गया है कि 'बता दिया जाए कि अमेरिका, अभी और यहीं से, अपनी आर्थिक मदद निलंबित कर देगा और डब्ल्यूएचओ से हट जाएगा' (उस समय, डब्ल्यूएचओ के कुल बजट का लगभग 25 प्रतिशत धन अमेरिका देता था!)। डॉ. ब्रायंट के बयान के बाद, असेंबली हॉल में अभूतपूर्व हंगामा हुआ- परस्पर विरोधी पक्ष और उनके सभी समर्थक खड़े होकर चिल्ला रहे थे।

मैं लगातार गैवल (हथौड़ा) पीटता रहा और व्यवस्था बनाए रखने की अपील करता रहा, लेकिन शोरगुल में इसका कोई असर न था। फिर भी मैं यह घोषणा करने में सफल रहा कि कार्यवाही अगले एक घंटे के लिए स्थगित कर दी गई है। डॉ. महलर के साथ एक संक्षिप्त परामर्श के बाद, जो शब्दों से परे हताश स्थिति में थे, मैं हॉल में गया और अगले लगभग दो घंटों तक इस दुर्भाग्यपूर्ण विवाद के प्रमुख हितधारकों के साथ वार्ताएं कीं। यह महसूस करते हुए कि विवाद को आसानी से सुलझाया नहीं जा सकता, मैंने घोषणा की कि आयोग की बैठक अब अगली सुबह होगी।

मैंने आयोग बी के सचिव से प्रस्ताव के मसौदे से संदर्भित सभी रिपोर्टें और प्रस्तावों की प्रतियां प्राप्त कीं। मैंने उनसे यूएसए, इस्राइल, फलस्तीन और एफ्रो-एशियाई समूह के प्रतिनिधिमंडलों के नेताओं से संपर्क करने और उस शाम 6 बजे से मेरे लिए उनसे मिलने का समय लेने का अनुरोध किया, इन बैठकों के बीच एक घंटे का अंतराल रखा गया। अपने होटल के कमरे में वापस आकर, मैंने अगले लगभग छह घंटे सभी प्रासंगिक दस्तावेजों का अध्ययन करने, नोट्स लेने और तमाम संभावित विवादित बिंदुओं का हल सोचकर प्रस्ताव के मसौदे को संशोधित करने में बिताए, विशेष रूप से उस हिस्से को फिर से तैयार करने में, जिसका डॉ. ब्रायंट के अनुसार, इस्राइल के राष्ट्रीय हितों पर नकारात्मक प्रभाव था।

शाम 6 बजे से, मैंने संबंधित प्रतिनिधिमंडलों के नेताओं के साथ लगातार चर्चाएं की। प्रत्येक बैठक में, मैंने विशेष रूप से अपने द्वारा तैयार किए गए संशोधित प्रस्ताव के प्रारूप पर चर्चा की और फलस्तीनी और एफ्रो-एशियाई प्रतिनिधिमंडलों का पूर्ण समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा, जिनसे मैं दोनों बार मिला था। जब मैं इस्राइली समूह से मिला तो रात के 9 बज चुके थे और काफी लंबी चर्चा के बाद मैं उनकी सहमति प्राप्त करने में सफल रहा। जब मैं उस होटल में पहुंचा, जहां पर अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल रुका हुआ था, तब तक रात के 11 बज चुके थे। चूंकि अन्य सभी पक्ष पहले ही राज़ी हो चुके थे इसलिए मुझे उम्मीद थी कि यह अंतिम बैठक जल्द पूरी हो जाएगी। इसकी बजाय, मुझे संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित हुए दर्जनों इस्राइल-संबंधी प्रस्तावों से गुजरना पड़ा, अलबत्ता इनमें से एक भी मौजूदा विवाद में प्रासंगिक नहीं था। मैंने अपना धैर्य बनाए रखा और अंत में, नए मसौदे के लिए डॉ. ब्रायंट का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा।

एन.एन. वोहरा

अपने होटल में पहुंचते-पहुंचते रात के 1 बज गए थे। उससे पहले नए मसौदे की एक साफ-सुथरी हस्तलिखित प्रतिदृ जिस पर मैं सभी पक्षों को सहमति पाने में सफल रहा था- डब्ल्यूएचओ की एक जिम्मेदार कार्यकारी अधिकारी सुश्री सिमोन को सौंप दी। उन्होंने अगली सुबह सत्र शुरू करने से पहले आवश्यक संख्या में प्रतियां बनाने और सभा में वितरित करने की जिम्मेवारी लेना माना (हालांकि अगला दिन तो पहले ही शुरू हो चुका था!) जब डॉ. महलर और मैं मंच पर पहुंचे तो सभा हॉल में एक असहज शांति थी। सभा को क्रमवार चलाते हुए, मैंने पिछली दोपहर से लेकर अब तक के घटनाक्रमों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी और बताया कि किस प्रकार मैं अपने द्वारा तैयार संशोधित मसौदा प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए तमाम संबंधित सदस्य देशों के नेताओं को राजी करने में सफल रहा। मैंने पूछा कि क्या इस प्रस्ताव को अपनाए जाने पर किसी को कोई आपत्ति है। जब कोई एतराज नहीं आया, तब मैंने गैवल मारा और घोषणा की कि प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार किया जाता है। सभी ने राहत की सांस ली। इससे पहले कि मैं अगले विषय पर जा पाता, डॉ. महलर अपनी सीट से उठे, मेरे हाथ पकड़े और मुझे गले लगा लिया। रुंधे गले में उन्होंने कहा 'मेरे दोस्त, डब्ल्यूएचओ को बचाने के लिए धन्यवाद।'

# कैसा फेयर, बुक के साथ अनफेयर

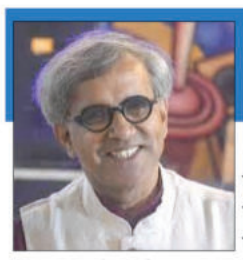

आलोक पुराणिक

पुस्तक मेला चल रहा है दिल्ली में। पुस्तक मेले पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता निबंध इस प्रकार हैकृएक थी बुक और एक था फेयर। बुक प्रकाशक से निकलती थी और फेयर में चली जाती थी। फेयर से निकलकर खरीदार के पास चली जाती थी। खरीदार के पास पढ़ने का वक्त ही नहीं होता था। बुक अलमारी में पड़ी पड़ी धूल खाती रहती थी। ऐसी दो पुस्तकों का आपसी संवाद इस प्रकार है।

और बता बुक नंबर वन तू कब आयी थी।

मैं दो साल पहले आयी थी। तू ज्यादा भाव न खा कि ये बंदा तुझे आज ले आया है बुक फेयर से। पांच साल पहले वाली भी पड़ी है, देखता तक नहीं ये तो लाकर पटक देता था।

अच्छा, तो फिर ये देखता क्या है।

दिनभर तो घुसा रहता है मोबाइल में। घटिया जोक और घटिया वीडियो देखता रहता है।

जोक होना चाहिए।

माल पकड़ या शाल पकड़

प्रकाशकः कुछ कालजयी लिखोजी।

लेखकः मैं तो महान लिखूंगा।

प्रकाशकः कालजयी लेखन यह होता है प्यारे, दही जमाने की उचित विधि। सवाल अकबर के वक्त से लेकर अब तक प्रासंगिक बना हुआ है। आप यह भी लिखें कि कब्ज भगाने की घरेलू विधियां क्या हैं। सिकंदर के वक्त से लेकर अब तक यह सवाल प्रासंगिक बना हुआ है। ऐसा कालजयी लेखन कीजिये बहुत माल बनेगा।

लेखकः आप कैसी बात कर रहे हैं।

प्रकाशकः ऐसा कालजयी लेखन आप नहीं करेंगे, तो फिर शालजयी लेखन कीजिये। वहां सामने शाल बंट रहे हैं, लेखक लाइन लगाकर ले रहे हैं। आप भी ले आइये, हम इन शालों की पुनर्खरीद कर रहे हैं। निराश न हों, आपका मन अगर हमें शाल बेचने का न हो, तो कोई बात नहीं है। घर पर ले जाइये। घरवाले खुश होंगे कि कम से कम शाल तो लाता है लेखक।

दस साल बाद भी

लेखकः प्रकाशक भाई आपकी कारों का साइज तो बढ़ता जाता है। पर मेरे पाठक मुझे कहीं दिखाई ही नहीं देते।

प्रकाशकः भाईजान मैं तो किताबें बेच देता हूं, रकम मिल जाती है। पाठक तलाशना मेरा काम नहीं है। एक ही लाइब्रेरी में एक ही किताब की हजार कापी चला देता हूं। कई किताबें इसलिए बिकती हैं कि लाइब्रेरियन 33 परसेंट कमीशन प्रेमी है। इतना कमीशन देने के लिए हो तो मैं झोलूमल का खंड काव्य (7 खंड) रवींद्र नाथ टैगोर के काव्य से ज्यादा बेच दूं।

लेखकः तो मतलब पाठक पढ़ते ही नहीं हैं क्या।

प्रकाशकः भाईजी असली आफत तो तब हो जाती है, जब लोग पढ़ना शुरू कर देते हैं। पढ़ना शुरू करते ही भावनाएं आहत हो जाती हैं। इसलिए किताब उन्हीं विषयों पर श्रेष्ठ होती है, जिन पर विवाद न हो, जैसे कब्ज को दूर कैसे भगायें।

# देश हुआ आर्थिक मंदी का शिकार

हाल ही में प्रकाशित फोर्ब्स की सूची में भारत को दुनिया के 10 सबसे शक्तिशाली देशों की सूची से बाहर कर दिया गया है। रुपये की ऐतिहासिक गिरावट और बेरोजगारी के बढ़ते आंकड़े, भारत की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती हैं। भारत अभी भी सपने की आर्थिक स्थिति को लेकर आत्ममुग्ध है। भारत को सपने से बाहर निकलकर वास्तविक स्थिति को स्वीकार कर आर्थिक नीति में बड़े सुधारों की ओर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। भारत को पिछले कई वर्षों से विश्वगुरु और आर्थिक महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वास्तविकता ठीक इसके विपरीत है। जिन देशों की अर्थव्यवस्था भारत से छोटी है, वे वैश्विक शक्ति-सूचकांकों में भारत से कहीं ज्यादा आगे निकल चुके हैं। रूस, ब्रिटेन, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और इजराइल 10 शक्तिशाली देश की सूची में शामिल हैं। जबकि भारत 10 देशों की सूची में शामिल नहीं है। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर रुपये की गिरावट भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर संकेतक है। डॉलर के मुकाबले रुपया 87 के स्तर तक पहुंच गया है। डॉलर महंगा होने के कारण विदेश से होने वाला आयात महंगा हो गया है। भारत का व्यापार संतुलन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। भारत से निर्यात कम हो रहा है, आयात बढ़ता चला जा रहा है। घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के स्थान पर भारत की बाजार नीतियां आयात को बढ़ावा दे रही हैं। भारत में जीडीपी की तुलना में 3 गुना कर्ज हो गया है। 3 लाख करोड़ ब्याज में चुकाना पड़ रहा है। भारत के बाजार में चीनी उत्पादों की भरमार से स्थानीय व्यापार और कारोबार लगभग खत्म हो चला है। मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की सफलता केवल भाषणों तक सीमित रही हैं। मेक इन इंडिया पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो गया है। भारत ने अभी भी उच्च तकनीकी क्षेत्रों में काम ही शुरू नहीं किया है। आत्म निर्भर बनने की बात तो सोचना भी व्यर्थ है। सत्ता के प्रचार तंत्र ने आम नागरिकों को भाषणों और योजनाओं के जरिए यह विश्वास दिलाने की कोशिश की है। देश तेजी के साथ प्रगति कर रहा है। लेकिन यह वास्तविकता से दूर है। बेरोजगारी दर भारत में 45 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है। पिछले 10 वर्षों में असंगठित क्षेत्र की अनदेखी से करोड़ों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है। असंगठित क्षेत्र और कृषि क्षेत्र में बेरोजगारी बढ़ती ही चली गई है। कृषि क्षेत्र में श्रमिकों की वापसी इस बात का प्रमाण है। औद्योगिक और सेवा के क्षेत्र पर्याप्त रोजगार देने में असमर्थ हैं। इन क्षेत्रों में लगातार बेरोजगारी बढ़ रही है। भारत सरकार को आत्मसंतोष से बाहर निकलकर आर्थिक नीतियों की समीक्षा करनी होगी। वैश्विक शक्ति-सूची के शीर्ष में आने के लिए केवल सपने देखने एवं प्रचार-प्रसार करने से लाभ नहीं होगा। वास्तविक रूप से हमें प्रयास करने होंगे। शोध और शिक्षा के लिए हमें अपने बजट को बढ़ाना होगा। गैर संगठित क्षेत्र के लोगों को फलने-फूलने का मौका देना होगा।

हम अपने संसाधनों का सही उपयोग करें। नवाचार और तकनीकी विकास पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देना होगा। भारत की भौगोलिक स्थिति, युवाओं की सबसे बड़ी आबादी को मांग और पूर्ति के सिद्धांत से जोड़कर हमें अपनी आंतरिक जरूरतों को स्वयं पूरी करने के मार्ग में आगे बढ़ना होगा। आयात पर निर्भरता कम करनी होगी। निर्यात के लिए हमें नए-नए बाजार खोजने होंगे। चीन ने पिछले दो दशक में सारी दुनिया की मांग के आधार पर अपनी उत्पादन नीति बनाई है। दुनिया के देशों को उनकी मांग के अनुसार कम से कम कीमत में उत्पाद भेजे जा रहे हैं। जिसके कारण चीन का निर्यात पिछले दो दशक में दुनिया भर के देशों में बड़ी तेजी के साथ बढ़ा। चीन आर्थिक रूप से बड़ी तेजी के साथ बढ़ा। चीन में लोगों को काम मिला, उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर हुई। भारत की आबादी 140 करोड़ से अधिक हो गई है। 50 फ़ीसदी आबादी युवा है। 25 से 30 फ़ीसदी आबादी बेरोजगार है। पिछले 10 वर्षों में असंगठित क्षेत्र का रोजगार एवं कारोबार लगभग खत्म हो गया है, जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था लड़खड़ा गई है। भारत सरकार ने बड़े-बड़े औद्योगिक समूहों को बड़ी सुविधायें दीं। उनको आगे बढ़ाने के लिए ऐसे कानून बनाए, जिसके कारण स्थानीय रोजगार और कारोबार पर इसका विपरीत असर पड़ा। कृषि के क्षेत्र में भी भारत सरकार की नीति सबसे ज्यादा खराब रही है। भारत सरकार दलहन और तिलहन के उत्पाद विदेशों से आयात करती है। भारत में किसानों को उनकी उपज का लागत मूल्य भी सरकार नहीं देती है। जिस कारण हम दलहन और तिलहन जैसे क्षेत्र में भी आयात पर निर्भर होते चले गए। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी बढ़ी। महंगाई के कारण आम आदमी को अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। स्थानीय मांग को अब आयात के जरिए पूरा किया जा रहा है। दशहरा दीपावली और होली जैसे त्यौहार भी चीन से आयातित वस्तुओं के जरिये मनाए जा रहे हैं। स्थानीय रोजगार पूरी तरह से खत्म होता चला जा रहा है। भारत सरकार को अपनी नीतियों की समीक्षा करनी होगी। वैश्विक व्यापार संधि की आड़ में भारत के असंगठित क्षेत्र के रोजगार को खत्म होने के कारण भारत की आर्थिक स्थिति पिछले 10 वर्षों में कमजोर हो गईं। इसके दुष्परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। समय रहते भारत सरकार को अपनी नीतियों में परिवर्तन करना होगा। असंगठित क्षेत्र के पंख खोलना होगा ताकि वह अपनी उड़ान भर सकें। भारत सरकार को चीन की तरह छोटे उत्पादकों और निर्यातकों को दुनिया भर के बाजार मुहैया कराने के लिए नीति बनानी होगी। तभी भारत अपनी खोई हुई स्थिति हासिल कर सकता है। भारत की आबादी इस समय सबसे ज्यादा युवा है। भारत सरकार को श्रम शक्ति का बेहतर उपयोग हो इस दिशा में काम करने की जरूरत है।

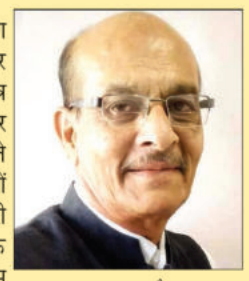

सनत कुमार जैन

# 270 करोड़ की लागत से बनकर तैयार मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग की अनुमति का आवेदन निरस्त

**माही की गूंज, मंदसौर।**

भारत सरकार और मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त अंशदान से बनी 270 करोड़ रुपये की लागत से मंदसौर में स्थापित मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है।

नगर और ग्राम निवेश विभाग (टी.एन.सी.) ने मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग की स्वीकृति को निरस्त कर दिया है, जो इस परियोजना के लिए एक बड़ा झटका है।

गौरतलब है कि, इस मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग का लोकार्पण हो चुका है जिसका उद्घाटन प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने किया था जहां पर वर्तमान में मेडिकल कॉलेज का संचालन भी शुरू हो चुका है, लेकिन यह बिल्डिंग कानूनी रूप से अब अवैध हो गई है। टी.एन.सी. विभाग ने इस बिल्डिंग के निर्माण के लिए स्वीकृति नहीं दी थी और अब निर्माण के बाद अनुमति की मांग करने पर उसे निरस्त कर दिया है। इस घटना से न केवल इस परियोजना की वैधता पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहे छात्रों का भविष्य भी संकट में पड़ गया है। कॉलेज के भवन के पास से गुजरने वाली सड़कें भी सुरक्षा के लिहाज से चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं, जिससे छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा पर भी गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि अस्पताल और अन्य सुविधाओं का निर्माण कैसे होगा, और क्या इस निर्माण के लिए दूसरी स्वीकृतियां ली जाएंगी।

### अनुमति हेतु आवेदन आया था जिसे निरस्त किया है...

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग मुख्य अधिकारी विनिता दुर्श्यमकर ने बताया कि, मंदसौर मेडिकल कॉलेज के निर्माण अनुमति हेतु आनलाईन आवेदन आया था जिसके नार्म्स पूरे नहीं होने के कारण उसे निरस्त किया गया है।

## जमीन विवाद को लेकर किसान ने कलेक्टोरेट में आत्मदाह की कोशिश

**माही की गूंज, रतलाम।**

कलेक्टर जनसुनवाई में एक किसान द्वारा अपने शरीर पर मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह करने का मामला सामने आया है। किसान जमीन विवाद को लेकर ज्ञापन देने आया था, लेकिन अचानक जनसुवाई के दौरान किसान ने आत्महत्या करने के लिए स्वयं पर तेल डाल लिया।

हालांकि वह आग लगा पाता, इसके पहले ही पुलिसकर्मियों ने उससे मिट्टी के तेल की बोतल छीनकर समझाइश देते हुए उसे एक तरफ कर दिया। किसान और उसके भाइयों का आरोप है कि उनकी पैतृक जमीन की कुछ लोगों ने फर्जी रजिस्ट्री व नामांतरण करा लिया है। शिकायत करने पर भी प्रशासन उनकी सुनवाई नहीं कर रहा, जिसके चलते उसे ये कदम उठाना पड़ा।

किसान दशरथ व उसके भाई गोपाल, नंदराम, विक्रम व ईश्वर स्वजन व अन्य लोगों के साथ कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार दोपहर ज्ञापन देने आए थे। जनसुवाई के दौरान ईश्वर कहने लगा कि सुनवाई नहीं हो रही है, दो माह से चक्कर लगा रहे हैं। इसी बीच अचानक उनके पीछे खड़े उनके बड़े भाई दशरथ ने मिट्टी के तेल की बोतल निकाली तथा अपने शरीर पर तेल डाल लिया। यह देख आसपास खड़े लोगों में हड़कंप मच गया। वह माचिस निकालकर आग लगा पाता उसके पहले ही पुलिसकर्मी उसके पास पहुंचे तथा उससे बोतल छीनकर उसे एक तरफ किया। नंदराम को एक तरफ ले जाकर उसे ऐसा नहीं करने की समझाइश दी गई।

किसान दशरथ ने बताया कि हम पांच भाई है। कुछ वर्ष पहले पिता ने मौखिक रूप से बंटवारा कर दिया है। पांचों भाइयों को एक-एक बीघा जमीन दी गई है, जिसपर वे खेती करते अपने-अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं। कुछ लोगों ने पिता को बहला-फुसलाकर फर्जी तरीके पैतृक जमीन की रजिस्ट्री व नामांतरण करवा लिया है। उन्हें जब रजिस्ट्री संजय व राहुल नामक व्यक्तियों के नाम होने की जानकारी मिली थी तो उन्होंने नामांतरण उनके नाम नहीं करने के लिए नामली तहसील न्यायालय में आवेदन दिया था तथा कोर्ट से स्टे भी लिया था। इसके बाद भी 21 जनवरी 2025 को नामांतरण दूसरों के नाम कर दिया गया। किसान ने बताया कि वह नामांतरण आदेश की प्रति तहसीलदार नामली से मांग रहे है, लेकिन वे नहीं दे रहे। उनका कहना है कि आपकी फाइल गुम हो गई है। जिसे लेकर दो माह से चक्कर लगा-लगाकर परेशान हो गए है, कोई सुनवाई नहीं कर रहा है।

## भारतीय रेल में विद्युतीकरण के 100 गौरवशाली वर्ष पूरे होने पर मंडल में उत्सव

**माही की गूंज, रतलाम।**

भारत में पहली ट्रेन 16 अप्रैल 1853 ई. में चली तथा इसके लगभग 72 वर्षों बाद 3 फरवरी, 1925 को बिजली के इंजन से पहली ट्रेन बॉम्बे वीटी से कुर्ला हार्बर तक चली। इसके उपरांत विद्युतीकरण का जो सिलसिला आरंभ हुआ निरंतर चलता रहा और आज 97 प्रतिशत ब्रॉड गेज लाइनों का विद्युतीकरण पूर्ण कर लिया गया है तथा शीघ्र भारतीय रेलव 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हो जाएगा।

रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण के 100वें वर्ष के अवसर पर पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के बिजली विभाग द्वारा बच्चों के बीच रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किए गए।

बिजली टीआरडी (कर्षण वितरण) विभाग द्वारा रतलाम में मॉर्निंग स्टार स्कूल में संगोष्ठि का आयोजन किया गया जिसमें विद्युतीकरण के विकास किस प्रकार हुआ तथा इसके क्या फायदे हैं, के बारे में बताया गया ।

इस संगोष्ठि में स्कूल के 350 से अधिक बच्चे एवं शिक्षक शामिल हुए। बिजली टीआरओ (कर्षण परिचालन) विभाग द्वारा रतलाम मंडल के रतलाम, उज्जैन, इंदौर, डॉ. अम्बेडकर नगर एवं चित्तौड़गढ़ लॉबी पर बच्चों के लिए निबंध एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। यह जानकारी मंडल प्रवक्ता खेमराज मीणा ने दी।

## दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों के लिए उपकरण चिन्हांकन शिविर का आयोजन

**माही की गूंज, शाजापुर।**

कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देशानुसार जिले में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अंतर्गत जनपद पंचायत शाजापुर द्वारा भारत सरकार की एडिप/वयोश्री योजनांतर्गत जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र शाजापुर में उपकरण चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संतोष टैगोर, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अंकिता पाटकर ने शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाओं को देखा एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिये।

उक्त शिविर में नगर पालिका शाजापुर, जनपद पंचायत शाजापुर, नगर परिषद मक्सी के समस्त प्रकार की दिव्यांगता से ग्रसित दिव्यांगजनों व वृद्धजनों को आवश्यक उपकरण के लिए चिन्हांकन किया गया। शिविर में कुल 465 पंजीयन किये गये, जिसमें 214 हितग्राहियों का यू. डी. आई. कार्ड के लिये एवं 312 उपकरण के लिए चिन्हित किये गये।

शिविर में पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के निर्देशानुसार शाजापुर पुलिस द्वारा जनहित में जारी-सायबर क्राइम से सावधान, महिलाओं के लिए सायबर अपराध से बचने के उपाय के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही शिविर में उपस्थित जनों को शाजापुर पुलिस द्वारा जनहित में जारी पेम्पलेट का वितरण भी किया गया। इस दौरान चिकित्सक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण के कर्मचारी आदि मौजूद थे।

## गड़ीगमना के जंगल में संदिग्ध हालत में मिला तेंदुआ

**माही की गूंज, रतलाम।**

जिले के बाजना क्षेत्र के गड़ीगमना जंगल में सोमवार को तालाब किनारे एक तेंदुआ लड़खड़ाते हुए देखा गया। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू के दौरान तेंदुआ बेहोश हो गया और डॉक्टरों की जांच में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

वन विभाग के अनुसार, प्रारंभिक शॉट पीएम में तेंदुए की मौत का कारण ब्रेन हेमरेज बताया गया है। हालांकि, विस्तृत जांच के लिए तेंदुए के शरीर के कुछ हिस्सों को लैब भेजा गया है। मंगलवार सुबह वन विभाग कैंपस में डीएफओ संजय राय खेरे, एसडीओ सीताराम नरगेस, तहसीलदार महमूद अली, रेंजर पुष्पलता मौर्य सहित अन्य अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की उपस्थिति में तेंदुए का अंतिम संस्कार किया गया।

# चट्टान काटकर बना धर्मराजेश्वर मंदिर, सूर्य की किरण करती है विष्णु-शिव का अभिषेक

**माही की गूंज, मंदसौर।**

जिले में धर्मराजेश्वर नाम का एक मंदिर है, जिसे एलोरा के कैलाश मंदिर की तरह चट्टान वाली पहाड़ी को काटकर बनाया गया है। भारत सभ्यतागत विकास की पवित्र भूमि है। यहाँ एक से बढ़कर एक सभ्यता एवं संस्कृति पनपीं और विकसित हुईं। इसके साथ ही विकसित हुईं यहाँ शिल्प एवं कला। यहाँ के कुशल शिल्पकारों ने एक बढ़कर एक आश्चर्यचकित करने वाली संरचनाएँ बनाई हैं, जिनमें मंदिर, भवन और मठ आदि भी शामिल हैं। इन्हीं में से एक एलोरा का कैलाश मंदिर है, जिसे चट्टान को काटकर बनाया गया है। कैलाश मंदिर की तरह ही मध्य प्रदेश के मंदसौर में भी चट्टान काटकर एक मंदिर बनाई गई है। इसे धर्मराजेश्वर मंदिर कहा जाता है।

एलोरा के मंदिरों एवं गुफाओं को सोलंकी क्षत्रिय से संबंधित चालुक्यों ने बनवाया था। वहीं, धर्मराजेश्वर मंदिर और धमनार के आसपास के गुफाओं को प्रतिहार क्षत्रियों वंश के राजाओं ने बनवाया है। इतिहासकारों का मानना है कि इस मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी ईस्वी में हुई है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर रखी एक आदमकद प्रतिमा पर 8-9वीं शताब्दी की ब्राह्मी लिपि में एक अभिलेख उत्कीर्ण है।

धर्मराजेश्वर मंदिर को एक पहाड़ी को काटकर विशाल मंदिर एवं उसका परिसर के रूप में बनाया गया है, जो देखने में अजूबा लगता है। यह इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट नमूना भी है। इसे मध्य प्रदेश का अजंता-एलोरा कहा जाता है। धर्मराजेश्वर को ही नहीं, बल्कि धमनार सहित आसपास की 200 गुफाओं को भी अजंता की बौद्ध एवं जैन गुफाओं की शैली में पहाड़ों को काट कर बनाया गया है।

मंदसौर जिला मुख्यालय से लगभग 78 किलोमीटर और शामगढ़ तहसील से 22 किलोमीटर दूर चंदवासा गाँव में यह मंदिर स्थिति है। इसके आसपास लगभग 3 किलोमीटर तक जंगल है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अनुसार, धर्मराजेश्वर मंदिर को एलोरा के कैलाशनाथ मंदिर की तरह ही पत्थर के पहाड़ को ऊपर से नीचे की ओर खोदकर बनाया गया है। यह जमीन से 9 मीटर नीचे है।

### विष्णु एवं शिव मंदिर

धर्मराजेश्वर नाम के मुख्य मंदिर के चारों तरफ सात लघु मंदिर हैं। मंदिर में पहुँचने के लिए 250 फीट लम्बा रास्ता बनाया गया है। यह रास्ता भी पहाड़ी को काटकर बनाया गया है। मुख्य मंदिर में गर्भगृह में भगवान विष्णु की चार भुजाओं वाली मूर्ति और एक शिवलिंग है। इसमें नक्काशी वाले स्तंभों पर स्थित मंडप है। वहीं, दूसरे लघु मंदिरों में वराह, दशावतार, शेषशायी विष्णु तथा पंचमहादेवी की मूर्तियाँ हैं।

इसके अलावा, मंदिर प्रांगण पानी के लिए एक छोटा कुआँ भी खोदा हुआ है। इस कुएँ का पानी शीतल और मीठा है। मंदिर की ओर से पहली मंजिल पर जाने के लिए दायीं और बायीं ओर सीढ़ियाँ बनी हुई हैं। पहली मंजिल पर पत्थरों को काटकर भिक्षुओं के ध्यान के लिए गुफाएँ बनाई गई हैं। इतिहासकारों का मानना है कि धमनार की गुफाएँ बौद्ध दर्शन पर है और उनका इस मंदिर से गहरा संबंध है।

कहा जाता है कि बौद्ध मठ को बाद में विष्णु मंदिर और फिर शैव मंदिर में बदल दिया गया। गर्भगृह में एक शिवलिंग भी स्थापित कर दिया गया। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह मंदिर मूलतः बौद्ध मंदिर या जैन मंदिर हो सकता है। अधिकतर इतिहासकार इसे बौद्ध मठ का प्रचार स्थल बताते हैं। इसमें मौजूद प्रतिमाएँ इसकी ओर इशारा करती हैं। बाद में इसे हिंदू मंदिर में बदल दिया गया।

लगभग 1415 मीटर में फैले इस मंदिर के बाई ओर ढेरों गुफाएँ हैं, जिनमें भगवान बुद्ध की विभिन्न मुद्राओं में प्रतिमाएँ आज भी मौजूद हैं। जगह-जगह दीवारों पर उनके चित्र उकेरे हुए हैं। वहीं, इन गुफाओं में भगवान बुद्ध के अलावा जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव, भगवान नेमिनाथ, भगवान पार्श्वनाथ, भगवान शांतिनाथ और भगवान महावीर की पाँच मूर्तियाँ भी पाई गई हैं।

बौद्धकाल के दौरान चंदवासा गाँव का नाम चंदन गिरि था। इसके साथ ही इस मंदिर एवं गुफा को चंदन गिरि महाविहार था। दरअसल, सन 1962 में डॉक्टर वाकणकर को यहाँ एक मिट्टी की सील मिली थी। उसका नाम चंदन गिरी महाविहार मिलता है। इसी आधार पर इतिहासकार चंदवासा का प्राचीन नाम चंदिन गिरि बताते हैं।

### धार्मिक मान्यता

कहा जाता है कि महाशिवरात्रि के अवसर पर यहाँ रात में रुकने से मोक्ष मिलता है। सूर्य के उदय के साथ ही उसकी किरण गर्भगृह में शिवलिंग पर पड़ती है। स्थानीय लोग मंदिर को पांडवों द्वारा निर्मित मानते हैं। वहीं, कई इतिहासकार इसे जैन और बौद्ध धर्मस्थल कहते हैं। राजेश्वर मंदिर के ठीक नीचे पहाड़ी के निचले छोर पर करीब 200 छोटी-बड़ी गुफाएँ हैं। इन्हें अंग्रेज लेखक कर्नल टॉड ने सबसे पहले खोजा था।

लोगों में मान्यता है कि महाभारत काल में पांडवों ने अपना अज्ञातवास का कुछ समय यहाँ बिताया था। उसी दौरान भीम ने इस मंदिर का निर्माण किया था। चूँकि, भीम के सबसे बड़े भाई युधिष्ठिर को धर्मराज भी कहा जाता था, इसलिए इस मंदिर को धर्मराजेश्वर मंदिर कहा जाने लगा। बताया जाता है कि यहाँ पर एक विशाल गुफा भी है, जो इस मंदिर से उज्जैन निकलती है। पुरातत्व विभाग ने उसे बंद कर दिया है।

मंदिर में बने छोटे से कुएँ को लेकर भी एक मान्यता है। स्थानीय लोगों में मान्यता है कि इस कुएँ का पानी पिलाने से साँप आदि जैसे जहरीले जीवों का जहर उतर जाता है। इतना ही नहीं, पागल कुत्ते को काटने पर यहाँ का पानी पिलाया जाता है। लोगों का कहना है कि इससे रेबीज की बीमारी नहीं होती है। जिन्हें रेबीज हो गया है, उन्हें भी इस कुएँ का पानी पिलाया जाता है।

## न्यूज ब्रीफ

### खनिज विभाग द्वारा अवैध परिवहन पर कार्यवाही

माही की गूंज, बड़वानी।

बुधवार को ग्राम धनोरा में खनिज विभाग बड़वानी द्वारा अवैध खनिज परिवहन की आकस्मिक जांच की गई। जांच के दौरान 1 ट्रैक्टर.ट्रॉली को रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त कर अंजड़ थाने की सुरक्षा में रखा गया।

इसी प्रकारए ग्राम ब्राह्मण गांव और नंदगांव में 2 ट्रैक्टर.ट्रॉली रेत के अवैध परिवहन में पाई गईए जिन्हें जब्त कर ठीकरी थाने की सुरक्षा में खड़ा किया गया। खनिज उत्खनन एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी है।

### समाधान ऑनलाइन के प्रकरण में लापरवाही पर कलेक्टर ने किया प्रधान पाठक को निलंबित

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर भव्या मित्तल ने मुख्यमंत्री समाधान ऑनलाइन के प्रकरण के निराकरण में लापरवाही बरतने पर दौड़वा संकुल के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय पछाया के प्रधान पाठक अनोखीलाल पटेल ;सहायक शिक्षकद्ध को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इसी प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र कानुडे ;तत्कालीन डीपीसीद्ध के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए प्रस्ताव आयुक्त इंदौर संभाग को भेजा गया था। जिस पर आयुक्त इंदौर द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में लापरवाही करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है।

### संकल्प प्रोजेक्ट की टीम ने जिला अस्पताल का शिशु गहन चिकित्सा इकाई और प्रसव कक्ष देखा

माही की गूंज, खंडवा।

बुधवार को मेडिकल कॉलेज सह जिला चिकित्सालय खंडवा में संकल्प प्रोजेक्टए एम्स दिल्ली के डॉक्टर रमेश अग्रवाल द्वारा नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई और प्रसव कक्ष में दी जाने वाली सेवाओं की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई प्रभारी डॉक्टर कृष्णा वास्केल ने बताया कि खरगोन जिले में संचालित संकल्प प्रोजेक्ट के अंतर्गत टीम ने जिला अस्पताल में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई और प्रसव कक्ष में निर्धारित नियमों के अनुसार दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की। इस दौरान उपस्थित चिकित्सकों और स्टाफ से जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सिविल सर्जन डॉक्टर अनिरुद्ध कौशल और आरएमओ डॉक्टर मुन्नालाल कलमें मौजूद थे।

# नावों से जाकर 551 मीटर लम्बी चुनरी माँ को ओढ़ाई

महेश्वर की गूंज, आलीराजपुर।

जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम ककराना में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नर्मदा जयंती के अवसर पर आयोजित नर्मदा मैया की चुनरी यात्रा और महा आरती हवन, कन्याभोज, भन्डारे में सैकड़ो श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

इस दोरान श्रद्धालुओं ने नर्मदा मैया को 7,मोटर बोट व 10 नावो के सहारे उतर से दक्षिण तट पहुचकर माँ नर्मदा को 551 मीटर लंबी चुनरी ओढाई। आपको बतादे की वर्षो से पूर्व विधायक मुकेश पटेल द्वारा माँ नर्मदा को चूनरी ओढाई जाती है। इस वर्ष भी मुकेश पटेल, पत्नी परीवार सहीत नर्मदा माँ व चुनरी का पूजन कर नावो के सहारे ओढाई गई।

ककराना मंदीर के महंत रामादास महाराज, पुर्व विधायक मुकेश पटेल परिवार, जिला पचांयत अध्यक्ष प्रतिनिधी जयपाल खरत, कलेक्टर डॉ अभय बेडेकर, एसपी राजेश व्यास, पूर्व नपा अध्यक्ष रितेश डावर, जिला काग्रेस अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर, दीपक दीक्षीत, घोटु वाणी आदी को पंडित अन्तिम त्रिवेदी ने माँ नर्मदा को ओढाई जाने वाली चुनरी का

विधिवत पूजन कराकर उसे उत्तर तरफ से दक्षिण तक की ओर मोटर बोट व नाव के सहारे ले जाया गया। दक्षिण तट पर चुनरी की पूजा कर वापस लोट कर माँ नर्मदा की आरती उतारी गई। पंचकुन्डीय यज्ञ की पुर्णाआहुती के पश्चात, कन्या पुजन कर महाप्रसादी का आयोजन किया गया। माँ नर्मदा के उतरी तट पर स्थित शिव मन्दीर के समक्ष हवन पुजन, भजन किर्तन के वातावरण मे श्रदालूओ ने स्नान कर नर्मदे हर के जयकारो के साथ माता की स्तुति की।

दोपहर दो बजे मन्दीर से चुनरी यात्रा आरंभ हुई। जिसमें वैधनाथ मदीरं ककराना समिति के सुमारिया डावर, राजू राठोड, किरता भाई, कमलेश बामनिया, दीपक राठोड, गोपाल भावसार, देवेन्दु, मितलेश डावर, पवन भावसार बरकत सोलकी,निर्मल चादंमल शंक भाई,मिश्रीलाला राठोड , आदी भक्तो का विशेष सहयोग रहा।

### दीपो की मालाएं नर्मदा नदी मे की प्रवाहित

माँ नर्मदा वैधनाथ मन्दीर पर आयोजित कार्यक्रम मे सरदार सरोवर बाधं के डुब क्षेत्र के ग्राम झंडाना, कुलवट, महलगाँव, के अलावा आसपास के गाँव आलीराजपूर,सोडवा,,वालपुर,डही,गुनेरी नानपुर, देलवानी, उमराली, से बडी सख्याँ मे श्रदालूओ ने नर्मदानदी मे स्नान कर महा आरती व महाप्रसादी का लाभ लिया। शाम ढलते ही श्रदालूओ के द्वारा दीपो की मालाएं नर्मदा जल मे प्रवाहित की।

# विधायक ट्राफी का फ़ाइनल मैच सम्पन्न

माही की गूंज, जोबट।

जोबट विधानसभा के पुलिस ग्राउंड में फाइनल मैच खेला गया। फाइनल मैच में समरसेट इलेवन व जोबट इलेवन के बीच मे फाइनल मैच खेला गया। रोमांचक मैच में समरसेट इलेवन ने जोबट इलेवन को 8 ओवर में 91 रन का टारगेट दिया।

जोबट इलेवन ने टारगेट को चेस कर लिया। विजेता टीम को आदिवासी विकास परिषद के मध्यप्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल की तरफ़ से जोबट इलेवन को इनाम की राशि प्रथम पुरष्कार- 31000 देकर विजेता टीम को बधाई दी। वही दूसरी टीम समरसेट इलेवन उपविजेता टीम द्वितीय पुरस्कार देकर अच्छे खेल के लिए हौसला अफजाई किया।

महेश पटेल ने कहा कि, खेल आप लोग ने भी अच्छा खेला खेल है कोई हारता है कोई जीतता है। आने वाले समय में खेल को आगे बढ़ाने के लिए आयोजन किए जायेंगे। क्रिकेट कब्बड्डी ,तिरंदाजी का आयोजन किया जाएगा। मैच का रुख विजेता टीम के बल्लेबाज़ आशीष रावत ने अच्छी पारी खेल एकतरफा मैच कर दिया। लगातार 7 छक्के मार के जितवाया

विधायक प्रतिनिधि मोनू बाबा निर्मल बाबा,वरिष्ठ नेता सरदार अजनार ,जोबट ब्लॉक अध्यक्ष,डॉ आराम पटेल,कार्यवाहक अध्यक्ष अरविंद डावर,जीतू अजनार के तरफ़ से भी इनाम की राशि की भी घोषणा की गई थी। आयोजक टीम की तरफ़ से आदिवासी विकास परिषद के मध्यप्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल का बैंड बाजो के साथ फुलमालाओ से स्वागत किया।

# जिला आधार निगरानी समिति की हुई बैठक

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में अधिक से अधिक लोगों के आधार कार्ड बनाने एवं पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराने के लिए कलेक्टर भव्या मित्तल की अध्यक्षता में 05 फरवरी को जिला आधार निगरानी समिति की बैठक हुई। बैठक में कलेक्टर मित्तल ने अधिकारियों को जिले में आधार केंद्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिएए ताकि आधार कार्ड निर्माण और अपडेट का कार्य सुगमता से हो सके।

कलेक्टर मित्तल ने कहा कि जिले में संचालित आधार केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए और जनजातीय क्षेत्रों के सभी आधार केंद्र डिजिटल ग्राम प्रबंधक को हस्तांतरित किए जाएं। प्रत्येक विकासखंड में 10 से 11 आधार केंद्र होने चाहिए। 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों के आधार कार्ड बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग एवं डाकघर की मोबाइल किट शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए गए। 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों का आधार सत्यापन और अपडेट का कार्य फरवरी माह में शत.प्रतिशत पूरा किया जाए। इस दौरान बताया गया कि जिले में 21 नए आधार केंद्र खोले जाएंगे। वर्तमान में लोक सेवा केंद्र में कुल 06 केंद्र संचालित हैं। फरवरी के अंत तक सभी 18 लोक सेवा केंद्र और उपकेंद्र में आधार केंद्र चालू कर दिए जाएंगे। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंहए सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग प्रशांत आर्यए अग्रणी बैंक प्रबंधक एसएस सोलंकीए महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी भारती आवास्याए ई.गवर्नेंस प्रबंधक प्रमोद पंवारए इंडिया पोस्ट एवं भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के परियोजना प्रबंधक निकट दिवान उपस्थित थे।

# विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्कूटी हेतु स्वीकृति पत्र का वितरण

माही की गूंज, बड़वानी।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवती में बुधवार को समारोह आयोजित किया गयाए जहां प्राचार्य द्वारा कक्षा 12वीं के दो विद्यार्थियोंए राजेश सोलंकी और दीपिका सोलंकी को निःशुल्क स्कूटी वितरण के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। यह सम्मान मुख्यमंत्री डॉण् मोहन यादव के निर्देश पर दिया गया।

दीपिका सोलंकी ने बोर्ड परीक्षा 2024 में 87ण्6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला प्रवीण्य सूची में प्रथम स्थान हासिल कियाए जबकि राजेश सोलंकी ने 82ण्8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम प्रयास में पीएटी परीक्षा में सफलता पाई। वर्तमान में दोनों विद्यार्थी कृषि महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं।

राजेश सोलंकी ने स्वीकृति पत्र मिलने पर अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों को दियाए जिन्होंने हर समय मार्गदर्शन किया। प्राचार्य असलम खान ने कहा कि

विद्यार्थियों को मेहनत कर शासन की स्कूटी और लैपटॉप जैसी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा और आभार व्यक्त किया। निःशुल्क स्कूटी के स्वीकृति पत्र पाकर दोनों विद्यार्थी प्रसन्न दिखे। उपस्थित विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। दीपिका और राजेश ने अन्य विद्यार्थियों को पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी के संबंध में सुझाव भी दिए।

### पैरामेडिकल स्टाफ को दिया गया रेबीज का प्रशिक्षण

माही की गूंज, खंडवा।

राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 5 फरवरीए बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय स्थित बैठक कक्ष में मेडिकल सह जिला चिकित्सालय के नर्सिंग अधिकारीए ड्रेसर और कंपाउंडर को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के दौरान नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश शर्मा ने जानवरों के काटने के बाद दिए जाने वाले संपूर्ण उपचार की जानकारी दी। उन्होंने इंजेक्शन और ड्रेसिंग को निर्धारित नियमों के अनुसार करने के निर्देश दिए।

### एनडीआरएफ ने छात्राओं को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

माही की गूंज, खंडवा।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन योजना के तहत उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के निर्देशन में 11 एनडीआरएफ वाराणसी की टीम क्षमता निर्माण कार्यक्रम और जन.जागरूकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में मंगलवार को एनडीआरएफ की प्रशिक्षित टीम ने मोतीलाल नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए खंडवा में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया।

टीम ने भूकंप और बाढ़ से बचाव के उपाय, सीपीआर, गले में फंसी वस्तु निकालने के तरीके, शारीरिक चोटों और सांप के काटने का प्राथमिक उपचार, तात्कालिक स्ट्रेचर बनाना, सड़क सुरक्षा, लिफ्टिंग और मूविंग के तरीके, इम्प्रोवाइज्ड फ्लोटिंग डिवाइस (राफ्ट) बनाना, जल संरक्षण तकनीकें, अग्निशामक यंत्र का उपयोग, गरज.चमक से बचाव, दामिनी ऐप, मौसम ऐप और भूकंप ऐप के उपयोग पर प्रशिक्षण दिया।

प्रधानाचार्य रूबिया अली ने एनडीआरएफ के इस प्रशिक्षण को उपयोगी और शिक्षाप्रद बताया। विद्यालय के विद्यार्थियोंए शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आपदा में राहत और बचाव तकनीकों की बारीकियां सीखी।

# जीवन शैली मे सुधार से घातक रोग पर अंकुश संभव

दुनियाभर में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी ग्लोबोकॉन के मुताबिक जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के चलते विश्वभर में 2040 तक कैंसर के मामले प्रतिवर्ष 2.84 करोड़ तक पहुंच सकते हैं, जो 2020 के मुकाबले 47 फीसद ज्यादा होंगे। वर्ष 2020 में दुनियाभर में अनुमानित तौर पर कैंसर के 1.93 करोड़ नए मामले आए थे और लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुई थी। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के अनुसार कैंसर मरीजों की संख्या वैश्वीकरण और बढ़ती अर्थव्यवस्था से जुड़े जोखिम कारकों में वृद्धि से बढ़ सकती है। लोगों को कैंसर के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से दुनियाभर में प्रतिवर्ष 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है।

बीएमजे ऑन्कोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की स्टडी के अनुसार पिछले 30 वर्षों में दुनियाभर में 50 वर्ष से कम आयु के लोगों में कैंसर के नए मामलों में 79 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान श्वासनली और प्रोस्टेट कैंसर के मामले सर्वाधिक रिपोर्ट किए गए, जो चिंता बढ़ाने वाले हैं। 1990 के बाद से श्वासनली और प्रोस्टेट कैंसर सबसे तेजी से बढ़ा। 2019 की शुरुआत में स्तन कैंसर के मामले सर्वाधिक रिपोर्ट किए जा रहे थे, जिसका जोखिम बना हुआ है। स्तन, श्वासनली, फेफड़े, आंत और पेट कैंसर के कारण अभी भी सर्वाधिक मौतें रिपोर्ट की जा रही हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि 2030 में कैंसर के नए शुरुआती मामलों में 31 प्रतिशत और उससे जुड़ी मौतों में 21 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2019 के आंकड़ों के आधार पर रिसर्चर्स के मुताबिक- 2019 में 50 से कम उम्र के लोगों में कैंसर के नए मामलों की संख्या 1.82 मिलियन थी, जो 1990 के आंकड़े से 79 प्रतिशत अधिक थी।

भारत में कैंसर के निरन्तर बढ़ रहे मामले स्वास्थ्य ढांचे के लिए गंभीर चुनौती हैं। प्री-मैच्योर मौत का सबसे बड़ा कारण माने जाने वाले कैंसर के मामलों का ग्राफ देश में लगातार ऊपर की ओर जा रहा है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार दुनिया में प्रतिवर्ष एक करोड़ से भी ज्यादा कैंसर के नए मामले सामने आते हैं और दुनिया के 15 फीसदी कैंसर मरीज भारत में हैं। कई मामलों में तो मरीज अपना इलाज तक नहीं करा पाते। इंडियन काउंसिल फॉर

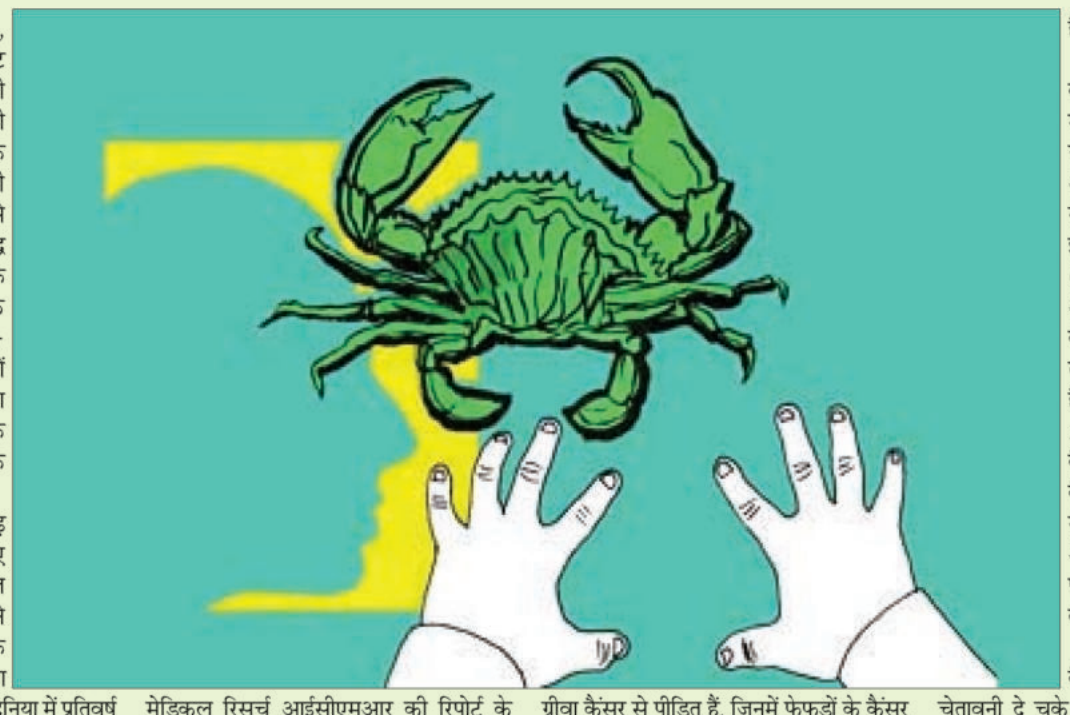

मेडिकल रिसर्च आईसीएमआर की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में आगामी पांच वर्षों में कैंसर मामलों की संख्या 12 फीसदी बढ़ जाएगी। यहां कैंसर के 40 फीसदी से भी ज्यादा मरीज फेफड़े, स्तन, अन्नप्रणाली , मुंह, पेट, लीवर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से पीड़ित हैं, जिनमें फेफड़ों के कैंसर से 10.6 फीसद, स्तन कैंसर से 10.5, अन्नप्रणाली कैंसर से 5.8, मुंह के कैंसर से 5.7, पेट के कैंसर से 5.2, लीवर कैंसर से 4.6 और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से 4.3 फीसदी लोग पीड़ित हैं।

राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं में कैंसर के मामले ज्यादा सामने आ रहे हैं। आईसीएमआर तथा नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इन्फॉरमेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआईआर) के अनुसार भारत में कैंसर के कुल केसों का करीब 27 फीसदी तम्बाकू जनित होने की संभावना है। इसके अलावा स्तन कैंसर के 2.4 लाख जबकि फेफड़ों के कैंसर के 1.1 लाख तथा मुंह के कैंसर के 90 हजार मामले सामने आ सकते हैं । रिपोर्टों के अनुसार पुरुषों में कैंसर के 50 फीसदी मामले तम्बाकू के कारण होते हैं।

अमेरिका के जाने-माने कैंसर विशेषज्ञ डा. जेम अब्राहम चेतावनी दे चुके हैं कि भारत को कैंसर जैसी क्रॉनिक बीमारियों की सुनामी का सामना करना पड़ सकता है। उनके मुताबिक वैश्वीकरण, बढ़ती अर्थव्यवस्था, बढ़ती आबादी और बदलती जीवनशैली के कारण ये मामले बहुत तेजी से बढ़ेंगे। हालांकि कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए टीके, एआई, डेटा डिजिटल तकनीक का विस्तार, लिक्विड बायोप्सी से निदान, जीन एडिटिंग टेक्नॉलोजी का विकास एवं अगली पीढ़ी के इम्युनोथेरैपी तथा सीएआर टी सेल थैरेपी का इस्तेमाल कैंसर के उपचार को नया रूप देंगे । वहीं डिजिटल तकनीक, आईटी तथा टेली-हैल्थ से मरीजों एवं विशेषज्ञों के बीच खाई कम होगी। चुनौती होगी कि इन प्रौद्योगिकियों को लाखों लोगों के लिए कैसे सस्ता और सुलभ बनायें। डा. अब्राहम के मुताबिक, कैंसर मरीजों के बढ़ते आंकड़ों को रोकने का एकमात्र विकल्प टीकाकरण है। ऐसे सभी टीकों पर परीक्षण जारी हैं।

योगेश कुमार गोयल

महामारी विज्ञान के अध्ययनों के अनुसार कैंसर के 70-90 फीसद मामले पर्यावरण से जुड़े हैं, जिनमें कैंसर का कारण बनने वाले पर्यावरणीय जोखिमों में जीवनशैली कारक सबसे महत्वपूर्ण हैं, जिनमें सुधार करके कैंसर की सुनामी रोकना संभव है।

# नर्मदा जयंती के अवसर पर मां नर्मदा को अर्पित की 525 मीटर लंबी चुनरी

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर एवं पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने ककराना स्थित मां नर्मदा मंदिर एवं घाट पर नर्मदा जयंती के अवसर पर आयोजित पूजन अर्चना में भाग लिया। इस दौरान 525 मीटर लंबी चुनरी विधि विधान के साथ पूजन अर्चना कर नर्मदा मैया को समर्पित की गई। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। 8 नावों के सहारे मां नर्मदा को चुनरी समर्पित की गई। इस दौरान कलेक?टर डॉ. बेडेकर एवं पुलिस अधीक्षक व्यास के साथ उपस्थित जनसमूह ने विधि-विधान से मां नर्मदा की पूजा-अर्चना कर दीपदान किया। जनप्रतिनिधि मुकेश पटेल, जयपाल खरत, रितेश डावर, ओम राठौड, अनुविभागीय अधिकारी सीजी गोस्वामी सहित पुलिस दल एवं होने गार्ड के जवान बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस दौरान कलेक?टर डॉ. बेडेकर ने दिव्यांग युवक से हाथ मिलाकर उससे दि?यांग पेंशन की जानकारी ली साथ उसे शासन से प्राप?त हो रही अन?य योजना की जानकारी ली।

# दिन दहाड़े महिला से मंगलसुत्र लूटने वाला आरोपी गिरफ्तार

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

कस्बा आम्बुआ में 27 जनवरी को एक अज्ञात मोटर सायकल बदमाश ने दिन दहाड़े किसी व्यक्ति का पता पुछने के बहाने फरियादीया का ध्यान भटकाकर फरियादीया के गले मे पहना मंगल सुत्र जिसमें सोने का पेंडिल एवं 8 सोने के मोती कीमत 33 हजार रूपये का छीन कर फरार हो गया था। फरियादीया की रिपोर्ट पर थाना आम्बुआ में अज्ञात मोटर सायकल सवार बदमाश के विरुध्द अपराध क्र. 25/2025 धारा 304(2) बी.एन.एस. का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास द्वारा घटना को गंभीरता से लेकर तत्काल एसडीओपी जोबट नीरज नामदेव को अज्ञात आरोपी को गिरफ़्तार करने निर्देशित किया गया था। जिसका सतत रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल पर्यवेक्षण कर रहे थे। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी आम्बुआ मोहन डाबर द्वारा घटना दिनांक से ही अज्ञात बदमाश की तलाश हेतु टीम बनाकर कस्बा आम्बुआ में लगे सीसीटीवी केमरे खंगालना शुरु किये तथा अलीराजपुर पुलिस के द्वारा चोरी/लूट संबंधी अपराधियों का 10 वर्ष का डाटा संकलित कर बुकलेट तैयार की गई थी। बुकलेट का विमोचन पुलिस महानिरीक्षक महोदय ग्रामीण जोन इंदौर के द्वारा जोनस्तर पर 25 जनवरी को किया गया था। विमोचित बुकलेट के टॉप 30 अपराधियों का रिकॉर्ड खंगालना प्रारंभ किया तो पाया कि बुकलेट के पृष्ठ क्रमांक 7 पर उल्लेखित अपराधी का चेहरा सीसीटीवी में आए हुए अपराधी से मैच होने पर पुलिस टीम ने उक्त अपराधी के बारे में थाना अलीराजपुर से जानकारी प्राप्त कर अज्ञात लूट के आरोपी को मात्र 4 दिन में पकड़नें मे सफलता प्राप्त की है। लूट के आरोपी की पहचान सलमान पिता सरफुद्दीन मकरानी (33) निवासी अलीराजपुर रणछोड़राय मार्ग मुर्गी बाजार के रूप में हुई। आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ करने पर उसके द्वारा घटना स्वीकार ककी गई। आरोपी के कब्जे से लुटे गये मंगल सुत्र सोने का पेंडिल एवं 8 सोने के मोती कीमत लगभग 33 हजार रूपये का जप्त किया गया तथा आरोपी सलमान से थाना आम्बुआ के अन्य संपत्ति सम्बन्धी अपराधों के बारे मे सख्ती से पुछताछ करने पर आरोपी सलमान द्वारा थाना आम्बुआ के अप.क्र. 226/2024 धारा 305, 331(4) बी.एन.एस. में भी एक सोने की चेन, सोने के कान के टाप्स व नगदी 20 हजार रुपये, अन्य साथीयो के साथ चोरी करना कबुल किया है। आरोपी सलमान द्वारा हाल ही में थाना राणापुर जिला झाबुआ में भी मंगल सुत्र झपटमारी करना कबुल किया गया है। आरोपी बदमाश सलमान के विरुध्द थाना अलीराजपुर मे 6 थाना कुक्षी जिला धार मे 2, थाना रानापुर जिला झाबुआ मे एक एवं थाना गरबाडा दाहोद गुजरात मे एक अपराध पंजीबद्ध है।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास द्वारा उक्त आरोपी को पकड़ने में संपूर्ण पुलिस टीम की सराहना की है तथा पूरी टीम को प्रथक से पुरस्कृत करने की भी घोषणा की है। आरोपी को पकड़ने में थाना प्रभारी उनि. मोहनसिंह डावर, सउनि. विजय वर्मा, सउनि कालुसिंह अलावा, सउनि. समीर खान, आर. 302 जुवानसिंह, आर. 466 गिरधारी, आर. 281 दिलीप, आर. 280 अरूण, आर. 131 राकेश मोरी, आर. 428 राकेश सिंगाड़, आर. 484 जेराम डावर की उल्लेखनीय भूमिका रही।

# विधायक ने किया पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सेना पटेल इन दिनों क्षेत्र में सक्रिय भूमिका में नजर आ रही है। चुनाव के समय किए गए वादे पूर्ण करने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत आम्बुआ के पटेल फलिया में स्थित नाले पर ग्रामीणों की मांग पर एक पुलिया जिसकी अनुमानित लागत 63 लाख 11 हजार है के निर्माण का भुमिपूजन एक फरवरी को किया गया। इस पुलिया निर्माण से ग्रामीणों को वर्षा ऋतु में आवागमन में सुविधा होगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच रमेश रावत उप सरपंच थानसिंह भयडिया सेवा निवृत्त न्यायाधीश भारत सिंह रावत, डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौर, विक्रम सिंह रावत, विधायक प्रतिनिधि अमानुल्ला पठान, महेंद्र सिंह रावत, मुस्तफा बोहरा कमलसिंह कनेश, विजय सिंह रावत,साहिद कुरेशी, इरशाद खान, मोहम्मद पठान, सोनू वर्मा, कदम सिंह, राकेश,मनीष चौहान, सोनार सिंह, दिलीप सिंह, नरदन सिंह मौर्य आदि ग्रामीण, पंच उपस्थित रहे।

# 6 फरवरी को होगी नव साक्षरता अभियान के अंतर्गत परीक्षा

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

जिला शिक्षा अधिकारी अर्जुन सिंह सोलंकी ने बताया कि, प्रदेश में साक्षरता दर बढाने हेतु भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित ÷उल्लास-जय भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत दिनांक 16 फरवरी 2025 को ÷मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा÷ आयोजित की जानी है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल से प्राप्त निर्देशानुसार जिले में 1 लाख 77 हजार 654 नागरिकों को नव साक्षरता परीक्षा में सम्मिलित करना है, जिसमें अब तक 20 हजार 871 रजिस्ट्रेशन ही हुए है। इस सम्बन्ध में बैठक का आयोजन कलेक्टर सभाकक्ष में हुआ। कलेक्टर डॉ. बेडेकर ने सभी 6 ब्लॉक के बीआरसी एवं बीएसी को प्रति ब्लॉक 10 हजार रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 9 फरवरी तक यह कार्य पूर्ण करे, 10 फरवरी को इसकी समीक्षा की जाएगी। इस दौरान सभी ब्लॉक के बीआरसी एवं बीएसी उपस्थित थे।

# प्रतिस्पर्धा में खेल भावना जरूरी है- कलेक्टर

**माही की गूंज, धार।**

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान धार में जोन स्तरीय खेलकूद एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं का शुभारंभ कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी की अध्यक्षता में मंगलवार को सम्पन्न हुआ। शुभारंभ में खण्डवा, अलिराजपुर, बडवानी, खरगौन, हरदा एवं धार के प्रतिभागियों द्वारा मार्च पास्ट के साथ सम्पन्न हुआ। कलेक्टर मिश्रा द्वारा स्पर्धा ध्वज फहराया गया। आयोजन के द्वितीय सत्र में मंचीय कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। ऐसे में जहाँ शिक्षक प्रशिक्षित होते है, उन प्रशिक्षण संस्थानों का उत्कृष्ट होना जरूरी है। इस दृष्टि से एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए केवल किताबी ज्ञान जरूरी नहीं है, चहुँमुखी ज्ञान होना भी जरूरी है ताकि छात्रों को सर्वोंगिन विकास की शिक्षा प्रदान कर सके। सभी प्रतिस्पर्धा में प्रतिभागी खेल भावना से सहभागिता करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सीईओ जिला पंचायत चौधरी ने कहा कि शिक्षण प्रक्रिया के साथ क्रिडा, साहित्यिक एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ जरूरी है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मण देवडा, सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग मनिषा गौतम, डीपीसी प्रदीप खरे, आर आई विश्नोई मंचासिन थे। इस अवसर पर क्रिडा जगत के वरिष्ठ प्रशिक्षक जगदीश मकवाना, शमशेर सिंह यादव, जिला खेल अधिकारी राजेश शाक्य भी उपस्थित थे। आरम्भ में स्वागत उद्बोधन एवं आयोजन की पृष्ट भुमि पर प्रकाश डालते हुए संस्था प्राचार्य मनोज कुमार शुक्ला ने डाइट धार के आधुनिकिकरण में सहयोग प्रदान करने हेतु जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रीती तिवारी एवं भूषण देशपाण्डे ने आभार माना। क्रिडा प्रतियोगिता का संचालन प्राचार्य राज्य षिक्षा महाविद्यालय षिवपुरी जगदीश मकवाना, शमशेर सिंह यादव वरिष्ठ खेल प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाएगा। साहित्यिक प्रतियोगिताओं का संचालन वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षाविद् श्रीकांत द्विवेदी एवं शिक्षाविद् संजय कुमार शुक्ला सहायक प्राध्यापक डाइट इन्दौर के मार्गदर्शन में सम्पन्न की जाएगी।

# सेफ क्लिक जन संवाद अभियान के तहत हुआ कार्यशाला का आयोजन

**माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।**

शासकीय महाविद्यालय भाबरा चंद्रशेखर आजाद नगर में मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा सेफ क्लिक जन संवाद अभियान के तहत एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात सभी अतिथियों का पुष्प कुछ एवं पुष्प माला से स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शुभम चौहान ने की और अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता जोबट एसडीओपी नीरज नामदेव रहे। विशेष अतिथि चंद्रशेखर आजाद नगर थाना प्रभारी टीआई संतोष सिसोदिया रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नीरज नामदेव ने 'सेफ क्लिक' अभियान के तहत साइबर सुरक्षा से संबंधित 24 मुख्य बिंदुओं को पीपीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को विस्तृत रूप से समझाया। जिसमें ऑनलाइन ठगी, चाइल्ड पोर्नोग्राफी, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया अकाउंट हैक, फर्जी सीम कार्ड इत्यादि बिंदु पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में पुलिस विभाग से नगिन नायक, कन्हैयालाल चौहान एवं पुलिस विभाग की टीम तथा महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी प्रो.विजय कुमार अलावे एवं समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेशम बघेल ने किया व आभार प्रो. कमलेश गणावा ने माना।

# 30 करोड़ रुपये से संवरेंगे उज्जैन के चौरासी महादेव मंदिर

**माही की गूंज, उज्जैन।**

धर्मधानी उज्जैन में सिंहस्थ 2028 को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा बीते दो दिनों से लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर योजना बना रहे हैं। शिप्रा स्नान, महाकाल दर्शन व भीड़ नियत्रंण को लेकर बिंदुवार चर्चा हो रही है, लेकिन इन सब के अलावा शहर के प्राचीन मंदिरों के उन्नयन का प्लान भी तैयार किया जा रहा है। इनमें महाकाल वन में स्थित चौरासी महादेव के मंदिर विशेष हैं। उज्जैन विकास प्राधिकरण द्वार करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से इन्हें संवारने का प्लान तैयार किया जा रहा है।

### हजारों भक्त आते हैं 84 महादेव के दर्शन करने

उज्जैन विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कुमार सोनी ने बताया कि चौरासी महादेव मंदिरों का विकास प्राथमिकता से किया जा रहा है। प्रतिवर्ष देशभर से हजारों भक्त चौरासी महादेव के दर्शन करने उज्जैन आते हैं।

श्रावण व अधिक मास में चौरासी महादेव दर्शन यात्रा भी निकाली जाती है। देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्राप्त हों इसको लेकर समग्र योजना बनाई जा रही है। सलाहकार से मंदिरों का अध्ययन कराकर डिजाइन तैयार कराई गई है।

### इन चीजों का होगा निर्माण

विचार-विमर्श के बाद, जो योजना तैयार हुई है, उसमें मंदिरों का विकास, आसपास की खाली जमीन का विकास, बाउंड्रीवाल, पहुंच मार्ग, रंगरोगन, लाइटिंग, हरियाली तथा नाली आदि का निर्माण शामिल है। जिन मंदिरों में जिस प्रकार के काम की आवश्यकता होगी, वह कराया जाएगा। कुल मिलाकर मंदिरों के संपूर्ण विकास की योजना बनाई गई है।

### पिछले सिंहस्थ में भी हुआ था काम

चौरासी महादेव मंदिरों को लेकर सिंहस्थ 2016 में भी योजना बनाई गई थी। इसके तहत कई मंदिरों में परिसर आदि का निर्माण भी कराया गया था। प्राचीन मंदिर काले पत्थरों से निर्मित हैं, लेकिन शिखर पर रंग-रोगन तथा मरम्मत आदि के काम किए गए थे। इस बार महापर्व के पहले से संधारण शुरू होगा, इससे काम में गुणवत्ता भी बनी रहेगी।

### भोपाल के लाल परेड मैदान में दिखी थी झलक

इस वर्ष भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उज्जैन के चौरासी महादेव मंदिरों की झलक दिखाई दी थी।

महाराज विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी के मार्गदर्शन में विरासत से विकास के अमर नायक राजा भोज देव के स्वर्णिम कालखंड पर बनाई गई झांकी में लघु फिल्म के माध्यम से उज्जैन के चौरासी महादेव के मंदिरों को भी दिखाया गया था। इससे स्पष्ट है कि इन मंदिरों का विकास मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार की प्राथमिकता सूची में शामिल है।

# धार्मिक ब्रिज पर गूंजेंगे मंत्र, ओम सर्किट सुपर हाईवे बना रही एनएचएआई

**माही की गूंज, उज्जैन।**

केंद्र सरकार की ओर से भारत में मौजूद 12 ज्योतिर्लिंग पर अलग-अलग तरह के विकास कार्य लगातार कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब ज्योतिर्लिंगों को जोड़ने वाली सड़कों का भी विकास कार्य केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार की ओर से किया जा रहा है। ओंकारेश्वर और उज्जैन को जोड़ने के लिए ओम सर्किट के नाम से एक ब्रिज बनाया जा रहा है।

इस ब्रिज को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से पहली बार बनाया जा रहा है। एक किलोमीटर के ब्रिज को बनाने में 85 करोड़ रुपए के आसपास की लागत आ रही है। साथ ही यह देश का ऐसा पहला ब्रिज रहेगा, जो पूरी तरीके से आध्यात्मिक रूप में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से बनाया जाएगा। ब्रिज की शुरुआत में देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा होगी। वहीं ब्रिज की समाप्ति पर मां नर्मदा की प्रतिमा विराजित होगी।

ब्रिज के बीच में भी भगवान गणेश, सरस्वती समेत अन्य भगवानों की प्रतिमा स्थापित की जाएंगी। साथ ही इस ब्रिज को इस तरह से सजाया और संवारा जा रहा है कि इससे गुजरने वाले वाहन चालक इसके सौंदर्य को देखते रह जाएंगे। उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ को देखते हुए नेशनल हाईवे ऑफ अथॉरिटी की ओर से उज्जैन से इंदौर जाने वाले भक्तों के लिए इस ब्रिज का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे ओंकारेश्वर दर्शन करने के लिए भक्तों को किसी तरह की समस्या या फिर जाम की स्थिति का सामना न करना पड़े।

ब्रिज अपने आप में काफी अद्भुत और अलौकिक बनने वाला है। इस ब्रिज का निर्माण अंग्रेजों के समय इंदौर को खंडवा से जोड़ने के लिए किया था और तब से ही इस पर मध्य प्रदेश सरकार की ओर से अलग-अलग तरह के विकास कार्य कराए जा चुके हैं, लेकिन अब इंदौर से खंडवा और खलघाट तक नेशनल हाईवे की ओर से एक हाईवे का निर्माण किया जा रहा है। उसी के तहत इस ब्रिज का भी अब निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसके बनने के बाद इंदौर और ओंकारेश्वर 2 घंटे में पहुंचा जा सकेगा, जिसमें अभी तीन घंटे लगते हैं।

# वार्ड नंबर 13, मकान नंबर 30 आखिर कहां गया ...?

**माही की गूंज, झाबुआ।**

आम लोगों के लिए राशन कार्ड बनवाना भी टेढ़ी खीर होता है उसके लिए तमाम कागज चाहिए। लेकिन शातिर चोर और कुख्यात लोगों के लिए आधार कार्ड और पासपोर्ट तक बनवाना बाए हाथ का खेल है। लोग आधार कार्ड में जरूरी सुधार के लिए लंबी-लंबी लाइन लगाकर इंतजार कर रहे। वहीं दूसरी ओर फर्जी आधार कार्ड घर बैठे ऑनलाइन बना रहे हैं। शायद इसीलिए कहा गया है कि, एमपी अजब गजब है, आम जनता फोटो कॉपी करवा कर परेशान हो रही है और माफिया मनचाहा कार्य घर बैठे करवा रहे हैं।

सलमान लाला

उज्जैन पुलिस द्वारा 30 जनवरी को गिरफ्तार किए गए ड्रग तस्कर सलमान लाला को लेकर थांदला का वार्ड नंबर 13 और मकान नंबर 30 देश और प्रदेश की मीडिया में सुर्खियों में है। ड्रग तस्कर सलमान लाला ने इसी पते के आधार पर अपना आधार कार्ड बनवाया और आधार कार्ड के आधार पर वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाया। और हैरान करने वाली बात है कि, उसने इसी पते के आधार पर अपना पासपोर्ट भी बनवा लिया था और दुबई में भागने की फिराक में था। लेकिन उज्जैन पुलिस के हत्थे चढ़ने के बाद उसकी पोल खुल गई और वह अपने मंसूबे पूरे करने में नाकामयाब रहा। पुलिस की इस सफलता पर वह बधाई की पात्र है। लेकिन पुलिस की इस सफलता ने प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। प्रशासन तमाम औपचारिकता पूर्ण करके आधार कार्ड, वोटर कार्ड और पासपोर्ट जारी करता है। लेकिन इन तमाम दावों की हवा पुलिस की इस सक्रियता ने निकाल दी।

### कई बांग्लादेशी भी फर्जी तरीके से रह रहे हैं

माही की गूंज ने अपने पिछले अंकों में भारत में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया था और मय प्रमाण यह साबित किया था कि, जिले के गांव और फलियो में रहकर तथाकथित डॉक्टर बनकर इलाज के नाम पर भोली-भाली जनता को लूट रहे हैं। तथा कथित झोलाछाप डॉक्टर बांग्लादेशी नागरिक है और भारत में पश्चिम बंगाल के रास्ते अवैध घुसपैठ कर अपने आप को बंगाल का निवासी बनाकर देश के विभिन्न हिस्से में अवैध रूप से रह रहे हैं। और इनके भी आधार कार्ड बन गए हैं तथा वोटर लिस्ट में भी नाम जुड़ गए हैं। प्रशासन को चाहिए कि इनके पूरे रिकॉर्ड की जांच की जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं।

### पासपोर्ट फर्जी कैसे बना...?

पासपोर्ट बनाने की प्रक्रिया बड़ी जटिल है पुलिस वेरिफिकेशन होता है, दो साक्षी के हस्ताक्षर होते हैं। ऐसे में इनका सब कुछ फर्जी होना कहीं न कहीं सिस्टम की खामियां उजागर करता है। ऐसे में स्थानिय परिषद के साथ पुलिसिया कार्रवाई भी संदेह के घेरे में है।

# फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से अपराधी के पासपोर्ट बन जाने से आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

**माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट**

नगर में एक वर्ग विशेष के अपराधी प्रवृत्ति के युवक सलमान लाला पिता शेरु लाला के फर्जी तरीके से वोटर आईडी व आधार कार्ड बन जाने के उज्जैन जिला पुलिस अधीक्षक के खुलासे से लोगो में आक्रोश है। नगर की फिजा बिगाड़ने वालें लोगों के खिलाफ मोर्चा खोलतें हुए हिन्दू समाज के विभिन्न संगठन के सदस्य आजाद चौक पर एकत्रित होकर एक रैली के रूप में वंदे मातरम के नारो के साथ सलमान के दलालों को जूते मारों सालों को जैसे नारें लगाते हुए एसडीएम कार्यालय पहुँच कर ज्ञापन सौंपा। यहाँ हिन्दू संगठन की ओर से हिन्दू जागरण मंच अध्यक्ष कमलेश वर्मा, व्यापारी संघ अध्यक्ष अनिल भंसाली, बावड़ी ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक अरोड़ा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील पणदा आदि ने अपने विचार रखते हुए नगर में अवैधानिक रूप से रहने वालों व संदिग्ध बाहर से आकर व्यापार करने वालों व बसने वालों की जाँच करने की मांग की।

हिन्दू संगठनों ने प्रशासन को कहा कि, हर बार कि तरह संगठन, प्रशासन से यही मांग करता आ रहा है। वे सभी संदिग्ध व्यक्तियों के दस्तावेजों की जाँच करें व फर्जी दस्तावेजों को खारिज करें। उन्होंने सलमान केस में फर्जी वोटर आईडी व आधार कार्ड बनाने वालें तथा पुलिस द्वारा दस्तावेजों को सत्यापित कर उसका साथ देने वालें लोगों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष बंटी डामोर, पूर्व अध्यक्ष रोहित बैरागी, स्वयं सेवक भूषण भट्ट, मोंटू उपाध्याय, दिलीप डामोर, संतोष सोनी, जीवदया अभियान के राष्ट्रीय संयोजक पवन नाहर, नटवर पंवार, जगदीश प्रजापत, जितेंद्र राठौड़, महेश नागर, पंडित द्वारिका प्रसाद, अल्केश चौपड़ा, चेतन आचार्य, अरविंद रुनवाल, अमित शाहजी, जितेंद्र चौरड़िया, अलीअसगर बोहरा, विपिन जैन, आशीष नागर, दिनेश नागर, महावीर घोड़ावत, कैलाश मोरिया, टुम्मा सेठ, उमेश पीचा, चंचल भंडारी, मनीष तलेरा, लाला वर्मा, अंजल शाहजी, कपिल पाठक, तेजमल राठौड़, आदि अनेक समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारी, पत्रकार, मीडिया व जनप्रतिनिधि मौजूद थे। ज्ञापन का वाचन हिन्दू जागरण मंच के यश राठौड़ ने किया।

एसडीएम तरुण जैन ने हिन्दू संगठनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि, ज्ञापन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उचित कदम उठाए जायेंगें। नगर परिषद से मुनादी करवाई जाएगी व जनता से अपील की जा रही है कि, वे भी अपने आसपास बाहर से आये रहनेवालों व संदिग्ध लगने वालों की सूचना पुलिस प्रशासन को दे ताकि योग्य कदम उठा सके।

### पुलिस अधीक्षक का थाना भ्रमण

जिला पुलिस अधीक्षक पदम् विलोचन शुक्ल का औचक पुलिस थाना का निरीक्षण किया गया जो नगर के पासपोर्ट कांड से जोड़कर देखा जा रहा है। जिला पुलिस अधिक्षक ने यहाँ रजिस्टर आदि अन्य दस्तावेजों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। जिला पुलिस अधिक्षक से सलमान पासपोर्ट मामलें में जानकारी लेने पर उन्होंनें बताया कि, थांदला एसडीओपी को इसकी जाँच के निर्देश दिए जाकर 3 दिन में रिपोर्ट देने को कहा है।

वही थांदला थाना क्षेत्र में विगत पाँच वर्षों में जारी पासपोर्ट की जाँच करवाई जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि, सलमान के पासपोर्ट से पहले उसके वोटर आईडी, आधार कार्ड, समग्र आईडी आदि कैसे बने इसकी जाँच की जा रही है। वही जब उसका पासपोर्ट जारी हुआ तब जिला मुख्यालय के किसी भी थाना क्षेत्र में उस पर कोई आपराधिक प्रकरण दर्ज नही था। वही अन्य जिलों में दर्ज प्रकरण भी बाद के है। फिर भी पूरी गम्भीरता से पुलिस इसकी जाँच कर रही है। जल्द ही तथ्य सामने आयेंगें व दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

# सुपरवाइजरो के सेक्टर चेंज: मिनी से मेन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बनाने में चली धांधली

## प्रदेश स्तर पर की जाएगी भ्रष्टाचार की शिकायत

**माही की गूंज, झाबुआ।**

झाबुआ जिले में मिनी कार्यकर्ता को मेन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बनाने और उनसे पैसे ऐठने का मामला जब भी सामने आता है तब उसमें नई वस्तु स्थिति का समावेश हो रहा है। सभी ब्लाक में वसूली कर सुपरवाइजर और बाबू लंबी सांस लेकर बेठे थे कि, सूचना का समाचार प्रकाशित हो गया और उसके बाद राणापुर ब्लाक में उन सभी कार्यकर्ताओ से लिखवा लिया गया जिनको मिनी से मेन कार्यकर्ता पदोन्नति पत्र देने से पहले वसूली कर ली गई थी।

एक कार्यकर्ता ने बताया कि, सुपरवाईजर अपने सेक्टर की उन सभी कार्यकर्ता को धमका भी रही है और उनसे यह भी लिखवा रही है कि, उनके द्वारा कोई धन राशि नहीं दी गई है। यहां प्रश्न यह है कि, आखिर जब परियोजना अधिकारी के हाथ साफ है, उन्होंने कोई रिश्वत नहीं ली तो फिर कार्यकर्ताओ से पत्र लिखवाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है?

ऐसे ही झाबुआ ब्लाक में जब वसूली के लिए कुछ सुपरवाइजर ने मुंह मोड़ना शुरु किया तो सीडीपीओ ने अपने लालच में सुपरवाइजर के सेक्टर बदल दिये। उन सुपरवाइजरो को तो कोई फर्क नहीं पड़ा जिनको वसूली से आपत्ती थी। अपितु दुसरे सुपरवाइजर के कार्य में बढ़ोत्तरी हो गई। क्योंकि, उनको वसूली फिर से करनी होगी।

### सीडीपीओ की धमक

जिले के सभी ब्लाको के सीडीपीओ की धमक बहुत जोरदार है क्योकि, सब अपने-अपने स्तर पर अपनी पकड़ करके बैठे है। सुत्रो के अनुसार झाबुआ सीडीपीओ सीधे कलेक्टर से मिलती है तो वह किसी की नहीं सुनती और जिला कार्यक्रम अधिकारी भी दायें

बाये झांकते है। झाबुआ ब्लाक का ही कारनामा है कि, पहली बार एक साथ पूरे सेक्टर की सुपरवाइजर को बदल दिया गया। जबकि नियम तो कुछ और ही कहते है। झाबुआ सीडीपीओ के तो और भी किस्से है जो सारे नियम के विरुद्ध है जिस पर वो जिला अधिकारी की भी अनसुनी कर देती है। वहीं अन्य स्थानों पर भी सीडीपीओ अपनी मनमर्जी से ब्लाक चलाती है और कार्यकर्ताओ को डरा धमका के अपने पक्ष में सारे कार्य करवा देती है।

जिले में बहुत बड़ा आंकड़ा है मिनी से मेन कार्यकर्ताओ को बनाने का, लेकिन जब पूरा बांस ही पोला है तो महिला सम्मान की रक्षा में और भ्रष्ट्राचार समाप्त करने की दिशा में आगे कौन आए? और उस आंकड़े का हिसाब लगाया जाए तो जिले से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ से जो पैसा लिया गया होगा वह बहुत ही अधिक मात्रा में होगा।

इस विधा के जानकार बताते है कि, स्टेप बॉय स्टेप पैसा हर स्थान पर बंटता है और इस पर न कोई कार्रवाई होना न ही कोई जांच बैठना यहीं संकेत करता है कि, पैसा ऊपरी सतह तक अधिकारी, नेता, मंत्री तक पहुंच गया है।

### बदल दिये सेक्टर

जब भी योजना का कोई पैसा आता है तब सुपरवाइजर और बाबू के माध्यम से वसुली की जाती है। इस उपक्रम में जो सुपरवाइजर साथ नहीं देती उसका सेक्टर बदल दिया जाता है। झाबुआ में 14 सेक्टर है और सभी की सुपरवाइजर को एक साथ बदल दिया गया।

महिला बाल विकास विभाग की सीडीपीओ झाबुआ ने अपनी मनमर्जी से सुपरवाइजरो के सेक्टर बदल दिये। सुत्रो की माने तो झाबुआ सीडीपीओ के सर पर जिले की मुख्य प्रमुख अधिकारी का हाथ है और उसकी वजह से वो जिला कार्यक्रम अधिकारी को भी आंकती नहीं है।

बहरहाल भ्रष्टाचार की शिकायत प्रदेश स्तर तक करने की तैयारी की जा रही है। वहीं जिले में किए गये मिनी कार्यकर्ता से मेन कार्यकर्ता की पदोन्नति में भ्रष्टाचार पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने कार्यकर्ता को इस कदर डरा दिया है कि, वो अपनी नौकरी बचाने के चक्कर में चुप्पी साधकर सर झुकाए हुए है। कार्यकर्ताओ को डर है कि, यदी किसी ने भी मुंह खोला तो उसकी आंगनवाड़ी पर जांच दल का जमावड़ा होता रहेगा और किसी न किसी रुप में उस पर कार्रवाई करने के आसार बने हुए रहेगे।

प्रदेश की महिला एवं बाल विकास विभाग की केबिनेट मंत्री जिले की होने के वाबजूद भी महिलाओं कार्यकर्ता के साथ इस तरह का बर्ताव किया जा रहा है। जब केबिनेट मंत्री के स्थानीयता के होने का लाभ उन्हें नहीं मिल रहा तो उन्हें कोई भी अपने भ्रष्टाचार का शिकार बहुत ही आसानी से बना लेता है।

# अनुकूल रहा मौसम तो कलमी के साथ देशी आम का स्वाद भी ले सकेंगे

**माही की गूंज,आम्बुआ।**

आगामी कुछ महीनों में सेहत को बनाने वाला मौसमी फल जिसे फलों का राजा कहा जाता है, आने वाला है ,जिसका पदार्पण पेड़ों पर आ रहे फूलों से होता दिखाई देने लगा है।

हम ऐसे फल की बात कह रहे हैं जिसका नाम सुनते ही मुंह में पानी भर आता है जो वर्ष में एक बार कुछ महीनों के लिए आता है, मगर वर्ष भर के शरीर में अनेक पौष्टिक तत्वों को भर जाता है,वह कच्चा रहता है तब भी प्रिय लगता है, और पक जाने पर तो साधारण से ? लेकर विशेष तक का चहेता बन जाता है,चटनी से लेकर रस और न जाने कितने व्यंजन बनाने में वह सहभागी बनता है,। जी हां हम बात कर रहे हैं फलों के राजा कहे जाने वाले आम फल की जो नाम से भले ही आम(साधारण) लगता हो मगर वह आम (साधारण) और खास (विशेष) दोनों में समान रूप से प्रिय रहता है,इस वर्ष अभी आम के पेड़ों पर फूल (मौर)आना प्रारंभ हुए हैं। इस बार कलमी तथा देशी दोनों तरह के आमों पर फूल दिखाई दे रहे हैं। जानकारों के मुताबिक यदि मौसम अनुकूल रहा तो इस वर्ष आम की फसल बहुत अच्छी आने की संभावना जताई जा रही है। यदि पैदावार अच्छी हुई तो इसका स्वाद आम और खास सभी को प्राप्त होगा।

# शिवालय प्रांगण में फूट पड़ी गंगा की धारा

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

कस्बे से बाहर आवास फलिया में नवनिर्मित त्रिलोकेश्वर महादेव मंदिर जिसमें अगले सप्ताह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होने जा रहा है। मंदिर परिसर में समिति द्वारा यहां पर पेयजल आपूर्ति हेतु एक हैंडपंप खनन 5 फरवरी को कराया गया। शिवजी की विशेष कृपा से यहां 45 फुट पर गंगा की जल धारा फूट पड़ी तथा पर्याप्त मात्रा में पानी निकला। जिससे भक्तों में अपार उत्साह छा गया, इतनी कम गहराई में जल धारा निकलने को सभी शिवजी की कृपा मान रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422